जम्मू लद्दाख विज़न

आर एन आई नंबरः जेकेएचआईएन/2019/78824 | पोस्टल नंबर : एल–29/जेके.579/24–26

साप्ताहिक | वर्ष : 7 | जम्मू | अंक : 23 | सोमवार जून 3, 2025 | मूल्य : 3 रुपए | पेज : 16

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता हाई कोर्ट ने दी जमानत, जमा कराना होगा पासपोर्ट पेज 6...

पाकिस्तान को फिर मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार बीएसएफ, डीआईजी बोले- बॉर्डर पर जवान सतर्क पेज 12...

देश और धर्म के लिए इन्द्रेश कुमार का योगदान पेज 15...

पहलगाम आतंकी हमले को जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों में बाधा नहीं बनने देंगे : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कटरा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू–कश्मीर के लोगों को अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन देते हुए शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के कारण केंद्र शासित प्रदेश में विकास कार्यों में बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने इसे 'भारत का मुकुट' बताया।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा की गई अंधाधुंध गोलाबारी का बहादुरी से सामना करने के लिए सीमावर्ती निवासियों की प्रशंसा की तथा जिन परिवारों के घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे, उनके

लिए 2 लाख रुपये तथा जिन परिवारों के घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए थे, उनके लिए 1 लाख रुपये की अति. रिक्त राहत की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने यहां कश्मीर घाटी के लिए पहली रेल सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा को संबो. धित करते हुए कहा, ष्मैं पहलगाम आतंकी हमले के कारण जम्मू–कश्मीर में विकास को रोकने की इजाजत नहीं दूंगा। युवाओं के सपने पूरे होंगे और किसी भी बाधा का सबसे पहले मोदी से सामना होगा।

22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू सवार की मौत हो गई, जिससे घाटी में पर्यटन ठप्प हो गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज जम्मू–कश्मीर के लोग नए सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं।

■ शेष पेज 2...

गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से गरीब कैदियों को जमानत दिलाने में मदद के लिए केंद्रीय कोष का उपयोग करने को कहा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे उन गरीब कैदियों को केंद्रीय कोष से वित्तीय सहायता प्रदान करें, जो वित्तीय बाधाओं के कारण जुर्माना न चुक. ाने के कारण जमानत या जेल से रिहाई पाने में असमर्थ हैं।

एक संचार में, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसके द्वारा उपलब्ध कराए गए धन का लाभ उठाने के लिए कहा है, जहां से वे पात्र कैदियों को लाभ प्रदान करने के लिए उचित राशि प्राप्त कर सकते हैं।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को धन केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) के माध्यम से प्रदान किया जाता है। इस योजना के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो को सीएनए के रूप में नामित किया गया है। जैसा कि आप जानते हैं, गृह मंत्रालय ने मई, 2023 में गरीब कैदियों को सहायता

■ शेष पेज 2...

रेलवे सुरक्षा के लिए आरपीएफ के कमांडो जम्मू-कश्मीर वंदे भारत ट्रेनों की सुरक्षा करेंगे

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सलगंदन (रामबन) : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जिसे कोरस के नाम से जाना जाता है, के कमांडो बलों को उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेलवे लाइन पर वंदे भारत ट्रेनों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है, जो कश्मीर घाटी और जम्मू–कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा के बीच यात्रियों को ले जाती हैं।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जेके में कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई – कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र के बीच

पहला ट्रेन कनेक्शन।

एक अधिकारी ने कहा, रेलवे सुरक्षा के लिए आरपीएफ के कमांडो (कोरस) को कटरा और कश्मीर के बीच यूएसबीआरएल (उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेल लिंक) पर वंदे भारत ट्रेनों में तैनात किया गया है।

कमांडो ने प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन ट्रेनों में अपनी उपस्थिति महसूस की। अधिकारियों ने कहा कि दोनों वंदे भारत ट्रेनों में

■ शेष पेज 2...

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन 10 जून को प्रक्षेपित होगा, 28 घंटे की उड़ान के बाद आईएसएस पर पहुंचेगा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोग 10 जून को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम स्पेस की चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान पर रवाना होने वाले हैं और लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद 11 जून को रात करीब 10 बजे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेंगे।

एक्सिओम–4 (एक्स4) वाणिज्यिक मिशन के मिशन पायलट शुक्ला के साथ मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन और हंगरी के विशेषज्ञ टिबोर कापू और पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की–विस्नीव्स्की भी होंगे। एक्सिओम–4 मिशन 1984 में रूस के सोयुज मिशन पर राकेश शर्मा की ऐतिहासिक अंतरिक्ष उड़ान के 41 साल बाद अंतरिक्ष में भारत की वापसी

■ शेष पेज 2...

कश्मीर से कन्याकुमारी अब नारा नहीं बल्कि हकीकत है : एलजी सिन्हा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहा. सिक चिनाब ब्रिज, अंजी रेल ब्रिज और उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना का उद्घाटन किया और कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसे एक महत्वपूर्ण अवसर बताया जो इतिहास में दर्ज हो जाएगा। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर और देश के लोगों को ऐतिहासिक रेलवे परियोजनाओं को समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। "कश्मीर से कन्याकुमारी अब एक नारा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दशक पुराने सपने को हकीकत में बदल दिया है। उन्होंने उत्तर से दक्षिण तक एक अटूट बंधन बनाते हुए लाखों भारतीयों के दिला. ों को जोड़ा है। उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) और कश्मीर घाटी के लिए वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत के साथ, माननीय प्रधान मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्प को पूरा किया है,

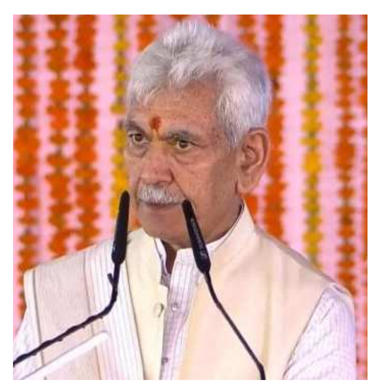

जिन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना देखा था, "उपराज्यपाल ने कहा।

उपराज्यपाल ने कहा कि दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे ब्रिज और देश का पहला केबल–स्टेड अंजी रेल ब्रिज, जिसका आज उद्घाटन किया गया है, यह सुनिश्चित करता है कि जम्मू–कश्मीर प्रगति की नई आकांक्षाओं से जुड़े। उन्होंने कहा कि चिनाब, अंजी ब्रिज बनाने के लिए हमारे इंजीनियरों के कौशल और पहाड़ों को तराशने वाले हमारे श्रमिकों की कड़ी मेहनत ने भारत के मुकुट रत्न और देश के बाकी हिस्सों के बीच मौजूद खाई को खत्म कर दिया है उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 6 वर्षों

■ शेष पेज 2...

शेष पेज 1 से.....

पहलगाम आतंकी हमल...

युवा शॉपिंग मॉल के निर्माण और सिनेमा हॉल के खुलने से खुश हैं। वे चाहते हैं कि जम्मू–कश्मीर फिल्मों की शूटिंग के लिए एक प्रमुख स्थान बने। वे यह भी चाहते हैं कि यह क्षेत्र खेलों का केंद्र बने।

मोदी ने कश्मीरी पंडितों के प्रमुख त्योहार, प्रसिद्ध खीर भवानी मेले में भारी भीड़ की सराहना की और कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है।

उन्होंने कहा कि ईद का जश्न जोरों पर है और ''मैं वादा करता हूं कि पहलगाम की घटना से विकास प्रभावित नहीं होगा।''

पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने के लिए जम्मू–कश्मीर के लोगों की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि हमले के खिलाफ उनके रुख ने दुनिया भर में आतंकवादी मानसिकता वाले लोगों को एक कड़ा संद. ेश दिया है कि उन्होंने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना लिया है।

मोदी ने कहा, ष्दशकों से चले आ रहे आतंकवाद ने कश्मीर में स्कूलों को जला दिया और दो पीढ़ियों का भविष्य बर्बाद कर दिया। उन्होंने न केवल स्कूल, बल्कि अस्पताल भी जला दिए और स्थानीय लोगों के लिए चुनाव लड़ना भी एक चुनौती बन गया।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों ने दशकों तक आतंकवाद और उसके कारण होने वाली तबाही को बर्दाश्त किया, ष्लोगों ने सपने देखना बंद कर दिया और सोचा कि आतंकवाद ही उनका भविष्य है। जम्मू–कश्मीर को आतंकवाद के खतरे से बाहर निकालना जरूरी था, जिसे हमने सफलतापूर्वक पूरा किया है।ष

6 मई से 10 मई के बीच जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी गोलाबारी में हुई भारी क्षति और जानमाल के नुकसान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई उसकी हताशा को दर्शाती है, क्योंकि उसने जम्मू, पुंछ और अन्य जिलों में नागरिक इलाकों को निशाना बनाया।

मोदी ने कहा, ष्पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान ने घरों, स्कूलों, मंदिरों, मस्जिदों और गुरुद्वारों को नष्ट कर दिया। देश के लोगों ने सीमा पर रहने वाले लोगों की बहादुरी भी देखी, जिन्होंने अपनी जमीन पर डटे रहे।ष उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

मोदी ने कहा, ष्जिन लोगों की जान गई है, उनके परिजनों को हाल ही में अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी गई है। हम 2,000 से अधिक परिवारों का दर्द समझते हैं जिनके घरों को नुकसान पहुंचा है और उन्हें मरम्मत कार्य के लिए पर्याप्त राहत प्रदान की जाएगी।ष

उन्होंने कहा कि केंद्र ने गोलाबारी पीड़ितों के लिए राहत पैकेज को और बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ष्पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों के मालिकों को अतिरिक्त 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के मालिकों को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे।ष

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पिछले कई वर्षों में सीमावर्ती निवासियों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किया है तथा सीमावर्ती गांवों में 10,000 से अधिक भूमिगत बंकरों का निर्माण किया है, जिससे लोगों को पाकिस्तानी गोलाबारी के दौरान अपनी जान बचाने में मदद मिली है।

मोदी ने कहा कि दो सीमा बटालियनों का गठन किया गया है, जिससे सीमावर्ती निवासियों को रोजगार मिलेगा, जबकि दो महिला बटालियनों के गठन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है।

कश्मीर से कन्याकुमारी...

में जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को बदल दिया है। ''इसका समग्र विकास माननीय प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनकी विभिन्न नीतियों, त्वरित कार्यान्वयन और औद्योगीकरण ने केंद्र शासित प्रदेश को विकास के केंद्र बिंदु पर ला दिया है। माननीय प्रधानमंत्री ने अगस्त 2019 के बाद जम्मू–कश्मीर में सामाजिक–आर्थिक क्रांति की एक नई मशाल जलाई थी।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर में आर्थिक विकास के मजबूत स्तंभ बनाए और अब जम्मू–कश्मीर को नई गति से बदलने के लिए रेलवे लाइनों के रूप में भाग्य की नई रेखाएं बिछाईं। अप्रैल 2022 से, पिछले तीन वर्षों में, माननीय प्रधान मंत्री ने जम्मू कश्मीर के लोगों को 1.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं को समर्पित और आधारशिला रखी है, ''उपराज्यपाल ने कहा। उपराज्यपाल ने आतंकवाद और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

उपराज्यपाल ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले का बदला लिया और एक नई लक्ष्मण रेखा खींच दी है। एक तरफ हमारे सशस्त्र बलों की बेजोड़ शक्ति राष्ट्र की अखंडता की रक्षा के लिए तैयार है और दूसरी तरफ रचनात्मक शक्ति विकसित भारत के लिए समर्पित है।''

विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में अंतिम मील कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री ने विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग–701 पर रफियाबाद से कुपवाड़ा तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना और एनएच–444 पर शोपियां बाईपास सड़क के निर्माण की 1,952 करोड़ रुपये से अधिक की आधारशिला रखी। उन्होंने श्रीनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग–1 पर संग्रामा जंक्शन और राष्ट्रीय राजमार्ग–44 पर बेमिना जंक्शन पर दो फ्लाईओवर परियोजनाओं का

भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से यातायात की भीड़ कम होगी और यात्रियों के लिए यातायात का प्रवाह बढ़ेगा यह रियासी जिले का पहला मेडिकल कॉलेज होगा जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

गृह मंत्रालय ने...

योजनाश शुरू की थी, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उन गरीब कैदियों को राहत देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना था, जो वित्तीय बाधाओं के कारण जुर्माना न चुकाने के कारण जमानत या जेल से रिहाई पाने में असमर्थ हैं,ष

हालांकि, गृह मंत्रालय ने कहा कि बार–बार फॉलोअप के बावजूद, कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पात्र कैदियों की पहचान नहीं की है और उन्हें योजना का लाभ नहीं दिया है, इसलिए

फंड का उपयोग नहीं किया गया है। हालांकि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने फंड का उपयोग किया है, लेकिन उनके द्वारा योजना का समग्र कार्यान्वयन बहुत उत्साहजनक नहीं रहा है।

गृह मंत्रालय ने योजना के कार्यान्वयन के लिए पहले ही दिशानिर्देश और एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दी है।

दिशानिर्देशों के हिस्से के रूप में, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्येक जिले में एक श्अधिकार प्राप्त समितिश और राज्य मुख्यालय स्तर पर एक श्निगरानी समितिश गठित करने की सलाह दी गई थी।

दिशानिर्देशों के अनुसार, ये समितियां पात्र कैदियों को वित्तीय सहायता मंजूर करने के लिए जिम्मेदार हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ आयोजित कई सम्मेलनों के दौरान, इसके महत्व पर लगातार जोर दिया गया, जिसमें वित्तीय बाधाओं के कारण जेल में बंद गरीब कैदियों को राहत पहुंचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

ष्यह सराहनीय है कि योजना के प्रभावी कार्यान्वयन से न केवल गरीब कैदियों के सामने आने वाली समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि जेलों में भीड़भाड़ को कम करने में भी मदद मिलेगी।

इसलिए, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध है कि वे योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार पात्र कैदियों की पहचान करने के लिए ठोस प्रयास करें और गरीब कैदियों को राहत प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले में अधिकार प्राप्त समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करें।ष

हाल ही में जारी इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, जेलों में कैदियों की राष्ट्रीय औसत दर 131 प्रतिशत से अधिक है। विचाराधीन कैदियों की संख्या पूरी जेल आबादी का 76 प्रतिशत होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि 2030 तक जेलों की आबादी 6. 8 लाख तक पहुँचने की उम्मीद है, भले ही जेलों में क्षमता बढ़कर केवल 5.15 लाख तक ही पहुँचने की संभावना है।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि कुछ राज्यों में भीड़भाड़ नहीं है, लेकिन कुछ राज्यों की जेलों में अभी भी बहुत अधिक भीड़भाड़ है।

देश की सुरक्षा ...

जोर दिया. कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए पौधे भी लगाए. इसका मकसद क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देना और प्रदूषण को कम करना है.

यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है. भारतीय सेना की इस पहल से लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है. कार्यक्रम का समापन यमुना नदी के तट पर पौधरोपण अभियान के साथ हुआ.

लोगों के लिए एक मॉडल है सेना का ये प्रयास

पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के प्रयास दूसरों के लिए अनुसरण करने के लिए एक मॉडल के रूप में काम करते हैं. पौधरोपण, नदी पुनरुद्धार और वेस्ट मैनेजमेंट में टेरिटोरियल आर्मी की पहल से लोगों और सरकारी अधिकारियों को पर्यावरण की रक्षा के साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने की प्रेरणा मिलने की उम्मीद है.

रेलवे सुरक्षा के...

से प्रत्येक में 15 कमांडो और एक पर्यवेक्षक होंगे जो ट्रेन यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

इकाइयों को हाल ही में बाहर से लाया गया है और ये कश्मीर घाटी के बडगाम क्षेत्र और रियासी जिले के कटरा बेल्ट में स्थित होंगे। उच्च जोखिम वाले सुरक्षा अभियानों, विशेष रूप से नक्सली उग्रवाद जैसे खतरों वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के बाद, यह पहली बार है जब कोरस को जेके में तैनात किया गया है। प्रधान मंत्री द्वारा आधिकारिक हरी झंडी दिखाने के साथ, भारतीय रेलवे 7 जून को दो नई वंदे भारत ट्रेनों का नियमित संच. ालन शुरू करेगा। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि ट्रेनें सप्ताह में छह दिन चलेंगी, मंगलवार को रखरखाव के लिए आरक्षित रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में, ट्रेनें श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच चलेंगी, क्योंकि जम्मू तवी स्टेशन वर्तमान में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के अधीन है। ये ट्रेनें न केवल तेज़ हैं बल्कि कश्मीर की चुनौतीपूर्ण जलवायु के लिए भी तैयार की गई हैं प्रधानमंत्री ने चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का उद्घाटन करके यूएसबीआरएल परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनी 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली) और 943 पुल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच हर मौसम में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक–आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ...

को चिह्नित करेगा। चालक दल कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होने के बाद एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर परिक्रमा प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। लक्षित डॉकिंग का समय लगभग 12रू30 चउम्क्ज (10रू00 चउ ष्ेज), बुधवार, 11 जून है, ष्नासा ने एक बयान में कहा।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने अंतरिक्ष यान की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए पिछले हफ्ते एक्सिओम स्पेस का दौरा किया था।

यात्रा की तैयारी के लिए अंतरिक्ष यात्री 25 मई से संगरोध में हैं और 10 जून को प्रक्षेपण से पहले प्रशिक्षण ले

रहे हैं। एक्सिओम स्पेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्रु एक्स4 चालक दल व्यापक आपातकालीन प्रशिक्षण से गुजरता है

ै में 14 दिनों के प्रवास के दौरान, ।•–4 चालक दल के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, स्कूली छात्रों और अंतरिक्ष उद्योग के नेताओं के साथ बात. चीत करने की उम्मीद है। इस सप्ताह की शुरुआत में, चालक दल ने लॉन्च से पहले प्रशिक्षण पर एक अपडेट देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। व्हिटसन ने मंगलवार को कहा, ष्हम लॉन्च के लिए अच्छे हैं, हमने सभी प्रशिक्षण पूरे कर लिए हैं और टीम ने अच्छी तरह से तालमेल बिठा लिया है।ष

शुक्ला ने अंतरिक्ष उड़ान के लिए साल भर के प्रशिक्षण को ष्परिवर्तनकारी से कम नहींष बताया। शुक्ला ने कहा

, ष्यह अब तक की एक अद्भुत यात्रा रही है, लेकिन सबसे अच्छा आना अभी बाकी है। जब मैं अंतरिक्ष में जाता हूं, तो मैं न केवल उपकरण और उपकरण ले जाता हूं, बल्कि मैं एक अरब दिलों की उम्मीदें और सपने भी ले जाता हूं।ष शुक्ला नासा के

समर्थन से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के बीच सहयोग के तहत विकसित विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करने के लिए तैयार हैं।

टू-व्हीलर 17ः तो कार का मार्केट 8ः गिरा, कर्ज-खर्च बढ़ेऽ राहुल गांधी ने बताया कैसे आम आदमी पर पड़ रही महंगाई की मार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आम लोगों की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने ग पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति और आम लोगों की समस्याओं को लेकर सरकार से सवाल पूछे हैं. राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार कहती है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ इकोनॉमी बन गई, लेकिन आम लोगों को तो उतनी ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर टू–व्हीलर, मोबाइल मार्केट और कारों की बिक्री में गिरावट को लेकर एक पोस्ट साझा की. इसमें उन्होंने इससे संबंधित आंकड़े भी बताए और आम लोगों की परेशानियों को लेकर चिंता व्यक्त की.

राहुल गांधी ने बताया कि पिछले एक साल में टू–व्हीलर की बिक्री 17ः और कार की बिक्री 8.6ः घट गई है. वहीं मोबाइल मार्केट में 7ः की गिरावट आई है. उन्होंने कहा कि ये सिर्फ़ आंकड़े नहीं हैं, ये उस आर्थिक दबाव की हकीकत है जिसके नीचे हर आम भारतीय पिस रहा है. इसके आगे उन्होंने कहा कि इस गिरावट का मतलब है कि इससे लोगों की आमदनी कम हो रही है. उन्होंने कहा इन आंकड़ों के साथ लोगों का खर्च और कर्ज दोनों बढ़ते जा रहे हैं.

अगर अपराध हुआ है तो एफआईआर होनी चाहिए थी... जस्टिस यशवंत वर्मा केस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने फिर जताई चिंता

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाब. देही को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं. पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आज "लाचार" है क्योंकि एक न्यायिक आदेश एफआईआर दर्ज करने में बाधा बना हुआ है.

अगर कोई अपराध हुआ है तो उसकी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी. यह सबसे बुनियादी और शुरुआती कदम है, जो पहले ही दिन उठाया जा सकता था. मगर, एक पुराना न्यायिक आदेश आज भी इसमें अड़चन बना हुआ है.

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जब तक न्यायपालिका के सर्वोच्च स्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती. उन्होंने सवाल उठाया कि 'अगर यह अनुमति नहीं दी गई तो क्यों?' 'क्या किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव ही इस संकट का समाधान है? उपराष्ट्रपति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के निवास से बरामद नकदी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की छवि को गहरा आघात देने वाला मामला है. उन्होंने पूछा, अगर यह घटना सामने नहीं आती, तो क्या हमें कभी पता चलता कि और भी ऐसे मामले हो सकते हैं?

क्या उस पैसे ने फैसलों को प्रभावित किया?

जगदीप धनखड़ ने जोर दिया कि जब नकदी मिलती है तो हमें यह जानना चाहिए कि वह पैसा किसका है, उसकी मनी ट्रेल क्या है, और क्या उस पैसे ने न्यायिक निर्णयों को प्रभावित किया? उन्होंने न्यायिक समितियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया और कहा, क्या न्यायाधीशों की समिति को संवैधानिक या वैधानिक मान्यता प्राप्त है? क्या वह एफआईआर या संविधान द्वारा तय न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया का विकल्प हो सकती है?

बार और वकीलों की भूमिका अहम

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने देशभर की बार एसोसिएशनों की सराहना करते हुए कहा कि यह संतोषजनक है कि बार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है.

वकील कानून के शासन के संरक्षक हैं और जब न्याय प्रणाली संकट में हो, तो उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है. केवल वैज्ञानिक निष्पक्ष और गहन जांच ही जनता के विश्वास को बहाल कर सकती है. अगर लोकतंत्र में कुछ लोग कानून से ऊपर माने जाने लगें, तो वह पूरे तंत्र के लिए खतरे की घंटी है.

मैं दोषी नहीं ठहरा रहा, पर जांच तो हो

उपराष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि वह किसी को दोषी नहीं ठहरा रहे हैं, लेकिन जांच की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता. उन्होंने 1957 के सरवान सिंह बनाम पंजाब राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि सच्चाई और अनुमानित सच्चाई के बीच अंतर सिर्फ विश्वसनीय साक्ष्य से ही स्पष्ट होता है. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर न्यायिक कार्य में पैसे का प्रभाव पड़ने लगे तो वह दिन देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा.

लोकतंत्र में न्यायपालिका पर विश्वास

जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब जनता का अन्य संस्थाओं से विश्वास उठता है, तब भी वे न्यायपालिका की ओर आशा से देखते हैं. उन्होंने कहा, हमारे न्यायाधीशों की बुद्धिमत्ता और परिश्रम अद्वितीय है लेकिन अगर वहीं संदेह की दृष्टि में आ जाएं तो लो. कतंत्र की नींव ही हिल जाएगी. यह सोचना कि मीडिया का ध्यान हटते ही मामला ठंडा पड़ जाएगा, एक बहुत बड़ी भूल होगी. इस अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए.

नैतिकता को इस कदर गिराना नहीं चाहिए

धनखड़ ने आगे कहा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने दस्तावेजों को सार्वजनिक किया.

हम ये कह सकते हैं कि नकदी की जब्ती हुई क्योंकि रिपोर्ट कहती है और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक की. हमें लोकतंत्र के विचार को नष्ट नहीं करना चाहिए. हमें अपनी नैतिकता को इस कदर गिराना नहीं चाहिए. हमें ईमानदारी को समाप्त नहीं करना चाहिए. उन्होंने कहा, मैं राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन का अध्यक्ष रहा हूं.

डीसी कुपवाड़ा ने पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रगति की समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कुपवाड़ा : उपायुक्त (डीसी) कुपवाड़ा, आयुषी सूदन ने आज पीएम सूर्य घर–मुफ्त बिजली योजना के तहत नवीनतम प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जिले में योजना के निराशाजनक प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की तथा अधिकारियों को कार्य के प्रति उदासीन रवैया अपनाने से बचने तथा जिले में योजना का पूर्णतः क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने योजना के तहत लाभार्थियों के अधिकतम नामांकन की आवश्यकता पर बल दिया, जिसका उद्देश्य लोगों की बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं को कम करना तथा उनके बिजली शुल्क को शून्य तक कम करना है।

डीसी ने कहा कि योजना की गति को तेज करने के लिए नियमित अंतराल पर जूनियर इंजीनियर स्तर तक प्रगति की निगरानी की जाएगी, साथ ही सब डिवीजन और डिवीजन स्तर पर भी निगरानी की जाएगी। उन्होंने लक्ष्य प्राप्ति में रुचि न दिखाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। बैठक में बताया गया कि केपीडीसीएल कल से शुरू होने वाले अगले दो सप्ताह के दौरान हर दिन जागरूकता सह नामांकन शिविर आयोजित करेगा। इसकी शुरुआत कल डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स और आरडीडी कॉम्प्लेक्स कुपवाड़ा में पीएम सूर्य घर–मुफ्त बिजली योजना के प्रचार–प्रसार को बढ़ाने के लिए नामांकन अभियान के साथ होगी। बैठक में केपीडीसीएल कुपवाड़ा/हंदवाड़ा के कार्यकारी अभियंता, सीपीओ, एईई, जिला प्रबंधक सीएससी और अन्य संबंधित उपस्थित थे।

वन विभाग कश्मीर क्षेत्र में एकीकृत हरित वन परिसर विकसित करेगा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख (पीसीसीएफ/एचओएफएफ), जम्मू और कश्मीर, सुरेश कुमार गुप्ता ने आज कश्मीर क्षेत्र में एकीकृत हरित वन परिसरों के विकास की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में टी. रबी कुमार, अतिरिक्त पीसीसीएफ और सीईओ कैम्पा; इरफान रसूल वानी, मुख्य वन संरक्षक, कश्मीर; तौहीद अहमद देवा, वन संरक्षक, श्रीनगर सर्कल; डॉ. सैयद नदीम, वन संरक्षक, दक्षिण सर्कल; इफान अली शाह, वन संरक्षक, उत्तर सर्कल; और कश्मीर क्षेत्र के सभी क्षेत्रीय प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला ने 42 साल पहले देखा था सपना, चिनाब ब्रिज पर वंदे भारत के दौड़ते ही होगा पूरा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर में एक ऐतिहा. सिक क्षण का इंतजार खत्म होने वाला है. 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे. यह ब्रिज न केवल इंजीनियरिंग का कमाल है, बल्कि जम्मू–कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में गेम–चेंजर साबित होगा. ऐसे में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा चिनाब ब्रिज पर वंदे भारत को दौड़ते देखने से आज मेरा 42 साल पहले देखा सपना साकार हो गया.

जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'अगर मैं आपसे कहूं कि मैं इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहा था, तो भी यह काफी नहीं होगा. यह रेल परियोजना तब शुरू हुई थी, जब मैं 7वीं या 8वीं क्लास में था. अब मेरे बच्चे भी स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने लगे हैं. लेकिन देर आए दुरुस्त आए. कल प्रधानमंत्री वंदे भारत सेवा का उद्घाटन करेंगे और इससे हमें फायदा होगा. जब भी यहां हाईवे जाम होता है, एयरलाइंस 5,000 रुपये की टिकट 20,000 रुपये में बेचना शुरू कर देती हैं, अब से ऐसी समस्याओं का समाधान हो जाएगा.'

मुश्किल परिस्थितियों में हुई थी प्रोजेक्ट की शुरुआत

चिनाब रेल ब्रिज का सफर आसान नहीं था. इसकी नींव 1983 में रखी गई थी, लेकिन फंड की कमी के कारण काम 1990 के दशक में शुरू हुआ. 2003 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया और 2004 में निर्माण शुरू हुआ. हिमालय की दुर्गम ज्योग्राफिकल सिचुएशन, भूकंपीय क्षेत्र और सुरक्षा चिंताओं ने इस प्रोजेक्ट को कई बार रोका. 2008 में निर्माण कार्य रुक गया था, लेकिन 2010 में डिज़ाइन में बदलाव के बाद काम फिर शुरू हुआ. अप्रैल 2021 तक ब्रिज का मुख्य आर्च पूरा हुआ और अगस्त 2022 में इसे पूरी तरह बनाकर तैयार किया गया.

पीएम मोदी ने सपने को हकीकत में बदला

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि '2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब इस ब्रिज का काम लगभग ठप हो चुका था. कई लोग इसे असंभव मानते थे और इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाए जा रहे थे. लेकिन भारतीय रेलवे और कोकण रेलवे कॉरपोरेशन ने इसे हकीकत में बदला. यह ब्रिज न सिर्फ यात्रा को आसान बनाएगा, बल्कि व्यापार और विकास को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा'

जम्मू–कश्मीर के लिए क्या बदलेगा?

कटरा से श्रीनगर की यात्रा अब तेज और आरामदायक होगी. यह ब्रिज स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देगा. इससे कश्मीर के सेब और अन्य उत्पादों को देश भर में आसानी से भेजा जा सकेगा. वैष्णो देवी और कश्मीर घाटी जैसे टूरिस्ट प्लेसों तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी.

क्यों है यह ब्रिज खास?

चिनाब रेल ब्रिज, जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी गांवों के बीच चिनाब नदी पर बना है. यह ब्रिज 359 मीटर की ऊंचाई पर है, जो पेरिस के एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है. 1.3 किलोमीटर लंबा यह ब्रिज उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है. इसकी लागत लगभग 14,000 करोड़ रुपये है और इसे 120 साल तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है. यह भूकंप, तेज हवाओं और –20 डिग्री सेल्सियस जैसे कठिन मौसम का भी सामना कर सकता है.

एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस

चिनाब रेल ब्रिज में 28,660 टन स्टील और 66,000 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग हुआ है. इसे बनाने में 1,300 से अधिक मजदूरों और 300 इंजीनियरों ने दिन–रात मेहनत की. ब्रिज में 120 सेंसर लगाए गए हैं, जो हवा की गति, तापमान और कंपन की रियलटाइम जानकारी देते हैं. यह ब्रिज 260 किमी/घंटा की रफ्तार वाली हवाओं और भूकंप का सामना करने में सक्षम है.

रेनवाटर हारवेस्टिंग को लेकर रेलवे की मुहिम, 10 साल में स्मार्ट सिस्टम में 239ः का इजाफा

रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने को लेकर रेल मंत्रालय ने बताया कि रेलवे देशभर में अब तक 7426 स्मार्ट रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगा चुका है और इस मामले में वह अपने मकसद में लगातार बना हुआ है.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

देश में हर साल भारी मात्रा में बारिश का पानी बर्बाद हो जाता है. बारिश के पानी को संरक्षित करने की बात लंबे समय से होती है. हालांकि इस संबंध में काफी काम किया जाना बाकी है. भारतीय रेलवे भी इस मामले में काफी अलर्ट है और बारिश के पानी को बचाने के लिए अपने मुहिम में लगातार लगा हुआ है. पिछले 10 साल में इस मामले में स्मार्ट रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाने के मामले में 239 फीसदी का इजाफा हुआ है.

रेलवे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रेल मंत्रालय की ओर से रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने को लेकर बताया कि भारतीय रेलवे देशभर में अब तक 7426 स्मार्ट रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगा चुका है और इस मामले में वह अपने मकसद में लगातार बना हुआ है. इस सिस्टम के जरिए रेलवे देश भर के कई हिस्सों में जल संरक्षण का काम करवा रहा है.

स्मार्ट रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम के जरिए रेलवे ने पिछले 10 सालों मे काफी तरक्की की है. रेलवे के मुताबिक, 2004 से 2014 के दौरान देशभर में 2192 स्मार्ट रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाए गए थे, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस सिस्टम को लगाने में तेजी आई. 2014 से लेकर 2024 तक इसमें 239 फीसदी का इजाफा हुआ और अब तक 7426 सिस्टम लगाए जा चुके हैं.

हावड़ा स्टेशन पर खास तरीके से पानी का संरक्षण रेलवे की कोशिश बारिश के पानी को बर्बाद करने की जगह संरक्षित करने की है. पिछले साल पूर्वी रेलवे ने अत्याधुनिक तरीके से बारिश के पानी को बचाने के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की. पूर्वी रेलवे का हावड़ा स्टेशन हर साल करीब 97,524.54 घन मीटर बारिश का पानी एकत्र करता है और इसका फिर से उपयोग भी करता है.

बारिश के पानी को एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट प्लांट में निपटान टैंक में ले जाया जाता है. फिर इसके पूर्ण उपचार के बाद, स्टेशन की धुलाई, ट्रैक और स्टेशन के एप्रन की धुलाई के लिए फिर से इस्तेमाल में लाया जाता है. यहां धुलाई और सफाई के लिए ताजे पानी का उपयोग नहीं किया जाता है.

एससीआर में गुंटकल स्टेशन पर 'उल्टा छाता'

इसी तरह 2019 में दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जोन ने गुंटकल रेलवे स्टेशन के बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए अपने क्षेत्र में उल्टा छाता लगाया. इन छातों के लगाने का मकसद स्थान का उपयोग करने के साथ ही मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग, बैठने की व्यवस्था करने के साथ ही सौर, नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल करना भी है. गुंटकल स्टेशन आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में पड़ता है. गुंटकल रेलवे स्टेशन पर तब छह उल्टा छाता लगाए गए थे ये जो उल्टे छातों जैसे ही हैं और इनके ऊपर सौर पैनल लगे हैं. एक उल्टा छाता में सालभर में करीब 60 हजार लीटर कलेक्ट किया जा सकता है.

राहुल गांधी ने बिहार दौरे पर दशरथ मांझी के परिवार से की मुलाकात, बेटे भागीरथ ने जताई विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को बिहार दौरे पर गया जिले में दशरथ मांझी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया. राहुल जिले के दशरथ नगर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने दशरथ मांझी के परिजनों से मुलाकात की. दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी ने उनका स्वागत किया. राहुल ने अन्य परिजनों से भी मुलाकात की और उनके साथ बैठकर नारियल पानी पिया. परिजनों ने भी अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में उन्हें बताया और मदद करने की बात कही. सूत्रों की मानें तो दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी ने बोधगया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा भी जताई. राहुल गांधी के दशरथ नगर गांव पहुंचने पर गाजे–बाजे के साथ उनका स्वागत किया गया. इसके बाद वो गहलोर गांव पहुंचे, जहां उन्होंने दशरथ मांझी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया. इसके बाद भागीरथ मांझी को अपने साथ लेकर राजगीर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए. राहुल गांधी ने नालंदा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार, जिसे कभी शांति और न्याय की भूमि माना जाता था, अब भारत की आपराधिक राजधानी में तब्दील हो गया है. प्रधानमंत्री मोदी भारत–पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर चुप हैं. मैं संविधान को बचाने की खातिर जाति जनगणना के लिए लड़ रहा हूं. उन्होंने कहा कि सरकार के जाति जनगणना को ठीक से कराने को लेकर संदेह है, क्योंकि प्रश्नावली को अंतिम रूप देने वालों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) और आदिवासी समुदाय का कोई भी अधिकारी शामिल नहीं है.

उन्हें सरेंडर करने की आदत है

राजगीर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मेरा लक्ष्य जाति जनगणना है. लोकसभा में पीएम मोदी के सामने मैंने उनसे कहा कि जाति जनगणना होगी. आप जानते हैं कि उन्हें सरेंडर करने की आदत है. ट्रंप ने 11 बार सार्वजनिक रूप से कहा है कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को सरेंडर करवाया है लेकिन नरेंद्र मोदी एक शब्द भी नहीं बोल सकते क्योंकि यह सच है.

ईयू के साथ ट्रेड एग्रीमेंट, डब्ल्यूटीओ में भारत के हित और व्यापारिक साझेदारी... केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के फ्रांस-इटली दौरे की खास बातें

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का इटली दौरा खत्म हो गया है. इटली के ब्रे. शिया में पीयूष गोयल ने दौरे को सफल बताते हुए कहा कि इटली के उप प्रधानमंत्री और उद्योगपतियों से मुलाकात हुई. इटली के कारोबारी भारत में निवेश बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं. भारत में इटली एनक्लेव बनाएंगे. इटली के होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल खुल सकेंगे. ताकि इटली के लोगों को भारत में घर जैसा माहौल मिले. इस दौरे के बाद भारत इटली के बीच व्यापार बढ़ने की उम्मीद है. भारत 2047 तक 30 से 35 ट्रिलियन डॉलर की इकनॉमी बनेगा.

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का फ्रांस और इटली का दौरा कई मायनों में काफी अहम रहा. म्न के साथ ट्रेड एग्रीमेंट, डब्ल्यूटीओ में भारत के हित, दोनों देशों के साथ भारत व्यापारिक साझेदारी को बढ़ाना और इन देशों की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करना मुख्य उद्देश्य रहे. विकसित भारत के सपने को साकार करने किए लिए मोदी सरकार तेजी से काम कर रही है. इसी के तहत केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का 5 दिनों का यूरोप दौरा कई मायनों में खास रहा. इस दौरान वो पहले फ्रांस की राजधानी पेरिस गए, जहां उन्होंने फ्रांस के मिनिस्टर डेलीगेट फॉर फॉरेन ट्रेड लॉरेन सेंट मार्टिन, म्न के ट्रेड कमिश्नर मारा. `स सेफोविक और डब्ल्यूटीओ की क्ळ न्गोजी ओकोंजो–इवेला से द्विपक्षीय मुलाकात की. इन मुलाकातों में डब्ल्यूटीओ को पुनर्जीवित करने, देशों के बीच व्यावसायिक विवादों को डब्ल्यूटीओ के जरिए सुलझाने, डब्ल्यूटीओ में भारत के हितों की रक्षा, म्न और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, भारत और फ्रांस के बीच ट्रेड साझेदारी बढ़ाने और दोनों देशों की कंपनियों को निवेश और कारोबार से जुड़ी सुविधाएं देने पर चर्चा हुई.

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने फ्रांस के उद्योगपतियों से भी मुलाकात की और उन्हें भारत में निवेश करने का न्योता दिया. भारतीय उद्योगपतियों ने भी इस दौरान इंडिया फ्रांस बिजनेस फोरम में फ्रांस में कारोबार के विस्तार को लेकर चर्चा की. फ्रांस दौरे के बाद पीयूष गोयल इटली पहुंचे, जहां उन्होंने मिलान शहर में इटली के कारोबारियों से भारत में निवेश करने और सरकार की तरफ से दी जा रहीं सुविधाओं के बारे में चर्चा की.

आने वाले सालों में कई गुना बढ़ेगा व्यापार

इसके बाद उन्होंने इटली के ब्रेसिया शहर के ऐतिहासिक सांता जूलियो म्यूज़ियम में इटली इंडिया स्ट्रेटेजिक बिजनेस पार्टनरशिप में हिस्सा लिया. इस दौरान इटली की तरफ से उप प्रधानमंत्री एंटोनियो तयानी शामिल हुए. दोनों नेताओं ने भारत–इटली संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग के 22वें सत्र की सह–अध्यक्षता की, जो 5 जून, 2025 को संपन्न हुई. इटली और भारत के बीच अभी करीब 20 बिलियन डॉलर का व्यापार है और आने वाले सालों में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है. भारत और इटली ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में सहयोग को मजबूत करने और ऑटोमोबाइल और अंतरिक्ष क्षेत्रों में संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने का संकल्प लिया.

वंदे भारत ट्रेन से कश्मीर तक : इंजी. नियरिंग के चमत्कारों और अद्भुत सौंदर्य से होकर गुज़रने वाली यात्रा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कटरा (रियासी) : बादलों को चूमने वाले प्रतीत होने वाले विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल को पार करते हुए कश्मीर के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित ट्रेन अब एक दूर का सपना नहीं बल्कि एक वास्तविकता है जो सुरम्य इलाकों से होकर एक अद्भुत और साहसिक यात्रा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कटरा शहर और श्रीनगर शहर के बीच दो विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिससे दोनों स्थानों के बीच यात्रा का समय दो से तीन घंटे कम हो गया और कश्मीर घाटी के साथ सभी मौसम में सतही संपर्क सुनिश्चित हो गया। ट्रेन संकरी घाटियों, हरे–भरे जंगलों और हिमालय की ऊंची चोटियों से घिरी गहरी घाटियों के बीच से शान से गुजरती है, शिवालिक के दिल में गहरी सर्पिल सुरंगों के बीच, चेनाब नदी इसके समानांतर बहती है। मानव निर्मित इंजीनियरिंग चमत्कारों में सबसे ऊंचा चेनाब पुल, भारत का पहला केबल–स्टेड रेलवे पुल और 13 किलोमीटर लंबी टी–50 सुरंग शामिल हैं। देश भर के यात्रियों, विशेष रूप से प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए, यह यात्रा पृथ्वी पर सबसे सुंदर और विस्मयकारी मार्गों में से एक के माध्यम से एक अविस्मरणीय यात्रा का वादा करती है। ष्यह कोई साधारण ट्रेन नहीं है बल्कि पर्यटन के लिए है कृ एक दृश्य दावत और प्रकृति के साथ यात्रियों की मुलाकात, खूबसूरत और मनमोहक दृश्यों के साथ। मुझे यह बहुत पसंद है।

अब शौक के लिए नहीं पहन सकेंगे बीएसएफ जैसी ड्रेस, सख्त हुए नियम

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीएसएफ के जवानों की सुरक्षा को लेकर एक अहम फैसला लिया गया है. देश की रक्षा करने वाले जवान अब एक नए ड्रेस कोड में नजर आएंगे. यह नई ड्रेस पूरी तरह डिजिटल पैटर्न पर आधारित होगी. कुछ ही समय में बीएसएफ का यह नया ड्रेस बनकर तैयार हो जाएगा.

इस यूनिफॉर्म में कई तरह के बदलाव किए गए हैं. पिछली यूनिफार्म की तुलना में यह ड्रेस जवानों के लिए अधिक आरामदायक रहेगी. नई ड्रेस में रंगों का भी विशेष ध्यान रखा गया है.

कैसी होगी ड्रेस?

बीएसएफ की वर्दी बदलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. जवान जल्द ही अपनी नई ड्रेस में नजर आने वाले हैं. इनकी इस ड्रेस में रंगों को एक विशेष अनुपात में इस्तेमाल किया गया है. जिसमें 50 प्रतिशत खाकी, 45 प्रतिशत ग्रीन और 5 प्रतिशत ब्राउन रंग का कॉम्बीनेशन होगा. इस ड्रेस का कपड़ा 80 प्रतिशत कॉटन और 19 प्रतिशत पॉलिएस्टर होगा, जबकि पुरानी ड्रेस में 50 प्रतिशत कॉटन और 50 प्रतिशत पॉलिएस्टर था. यह वर्दी पूरी तरह से डिजिटल प्रिंट पर आधारित होगी.

बीएसएफ ने खुद किया डिजाइन

इस ड्रेस की खास बात यह है कि इस ड्रेस को बीएसएफ ने खुद इन–हाउस डिजाइन किया है. इस ड्रेस को डिजाइन करने में अधिकारियों को एक से डेढ़ साल तक का समय लगा था. इस ड्रेस की एक और खास बात है कि बीएसएफ की अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति इस डिजाइन को कॉपी नहीं कर सकता, न ही सिलवा सकता है और न इसे पहन सकता है. अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उस पर उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है.

हर जगह उपलब्ध नहीं होगी यह ड्रेस

देश की सुरक्षा में हरदम तैयार फर्स्ट डिफेंस ऑफलाइन कहलाई जाने वाली बीएसएफ के जवान अब नहीं वर्दी में देश की सरहद पर चौकसी करते नजर आएंगे. जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह नई वर्दी बनाई गई है. अब यह नई वर्दी पुरानी वर्दी की तरह आसानी से किसी भी बाजार में उपलब्ध नहीं होगी. इस नई वर्दी की आपूर्ति और वितरण दोनों पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा.

वृक्षारोपण को त्यौहार की तरह मनाएं... हर जिले में हरित बिहार अभियान बढ़ाने की अपील

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नीतीश कुमार सरकार ने हरित बिहार का संकल्प लिया है. इस मौके पर बिहार सरकार के कई विभागों की ओर से जगह जगह पौधे लगाए गए हैं. इसी सिलसिले में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने भी जे.पी. गंगा पथ पर पौधारोपण किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि हरित बिहार एक संकल्प है. सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है. प्रदूषण दूर करने के लिए पर्यावरण और हरियाली का ख्याल रखना जरूरी है.विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार सरकार की ओर से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. प्रदेश के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गई और अपने अपने क्षेत्र में इस मिशन को कामयाब बनाने की अपील की गई.

डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों को हरित और स्वच्छ बनाने में विद्यार्थी और शिक्षक मिलकर सक्रिय योगदान दें. उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारा.`पण के इस मौसम को एक त्यौहार की तरह मनाएं. यह समय पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त है. पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की अपील

उन्होंने कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक पौधे लगाएं और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं.

एसएमसी आयुक्त ने मुहर्रम-उल-हराम व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : आगामी मुहर्रम– उल–हराम के मद्देनजर, एसएमसी आयुक्त डॉ. ओवैस अहमद ने आज करण नगर स्थित निगम के केंद्रीय कार्यालय में एक उच्च स्तरीय विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में एसएमसी के वरिष्ठ अधिकारी, संबंधित विभागों और ऑल जेएंडके शिया एसोसिएशन, अंजुमन–ए–शरी शियान (बडगाम) और शरीयत अबद बुगाम सहित प्रमुख शिया संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त एसएमसी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी व्यवस्थाएं महीने की पवित्रता को प्रतिबिंबित करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शोक मनाने वाले लोग पूरी गरिमा, सुरक्षा और सहजता के साथ अनुष्ठानों का पालन करें।

उन्होंने जुलूस के मार्गों, इमामबाड़ों और मोहल्लों को साफ–सुथरा रखने पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने जुलूसों के दौरान सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक सड़कों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निर्बाध जलापूर्ति तथा प्रमुख स्थानों पर पानी के टैंकरों की तैनाती का आह्वान किया। उन्होंने स्ट्रीट लाइटों की तत्काल मरम्मत के भी निर्देश दिए, विशेष रूप से शिया बहुल क्षेत्रों में, ताकि रात में रास्ते अच्छी तरह से रोशन रहें।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलभराव को रोकने के लिए डिवाटरिंग पंपों की स्थापना, सतही नालियों की सफाई और ट्रैश गार्ड की मरम्मत सुनिश्चित करें। डॉ. ओवैस ने विभागों से निकट समन्वय में काम करने और किसी भी उभरते मुद्दे पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ष्हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह पवित्र महीना शांतिपूर्वक और सम्मानपूर्वक मनाया जाए। हर छोटी–छोटी बात मायने रखती है।

अगर हिंदी भाषा को फिर से अनिवार्य किया तो... राज ठाकरे ने सरकार को दी चेतावनी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : महाराष्ट्र में पिछले कुछ महीनों से स्कूली शिक्षा में हिंदी की अनिवार्यता को लेकर काफी असमंजस बना हुआ है. इसी बीच बुधवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य शिक्षा मंत्री दादा. जी भुसे से एक लिखित आदेश जारी करने की अपील की. जिसमें उन्होंने कहा कि पहली कक्षा से केवल दो भाषाएं मराठी और अंग्रेजी भाषा अनिवार्य हो जबकि हिंदी भाषा को वैकल्पिक भाषा के रूप में रखा जाए.

दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल महीने में सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में कक्षा 1 से 5वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य किया था.

इस निर्णय का डछे समेत कई पर्टियों ने विरोध किया था. विरोध करने के बाद सरकार ने इस फैसले पर रोक लगा दी थी.

'अगर ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी करेगी आंदोलन'

एमएनएस प्रमुख ने कहा कि मुझे सूचना मिली है कि हिंदी समेत तीनों भाषाएं में पाठ्यपुस्तकों की छपाई शुरू हो गई है. उन्होंने कहा कि अगर हिंदी भाषा में पुस्तकों की छपाई शुरू हो चुकी है, तो मुझे नहीं लगता कि सरकार अपने फैसले पर विचार कर रही है. उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ और हिंदी की अनिवार्यता को लेकर फिर से पुनर्विचार किया, तो पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन करेगी और इसकी जिम्मेदार सरकार होगी.

हिंदी भाषा थोपने से किया इंकार

ठाकरे ने कहा कि कई राज्यों ने हिंदी भाषा को अपनाने से इंकार कर दिया. क्योकि उनकी स्थानीय भाषा ही उनकी पहचान है.

उन्होंने राज्य शिक्षा मंत्री भूसे से कहा कि आप तो जन्म से मराठी हैं. आप अन्य नेताओं की तरह कब काम करेंगे?, जो हिंदी भाषा का विरोध करते हैं और अपनी स्थानीय भाषा की रक्षा करते हैं.

इसके आगे उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि राज्य सरकार अन्य राज्यों की तरह ही अपनी स्थानीय भाषा के लिए एक मजबूत भावना दिखाए.

हिंदी की अनिवार्यता का किया विरोध

दरअसल, शुरुआत में यह घोषणा की गई थी कि कक्षा 1 से 5वीं तक के बच्चों को तीन भाषाएं पढ़ाई जाएगी, जिसमें हिंदी तीसरी अनिवार्य भाषा होगी. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी और कई लोगों ने उनका समर्थन किया था. जिसके बाद सरकार ने अपने आदेश को वापस ले लिया. इसको लेकर राज ठाकरे ने कहा कि सरकार को मजबूरन अपना फैसला वापस लेना पड़ा क्योंकि

बेंगलुरू: क्या एक अफवाह बनी भगदड़ की वजह? गेट नंबर 7 पर अचानक क्यों उमड़ पड़ी भीड़

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में कल बुधवार को पहली बार आईपीएल खिताब जीतने वाली रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सम्मान में जश्न मनाया जा रहा था, लेकिन इस बीच वहां पर भगदड़ मच गई और 11 लोगों की जान चली गई जबकि कई घायल भी हुए हैं. भगदड़ की वजह अभी सामने नहीं आई है. लेकिन कहा जा रहा है कि स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 7 पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी क्योंकि यह अफवाह फैल गया कि वहां फ्री के टिकट बांटे जाएंगे. यही अफवाह कई लोगों की मौत की वजह बन गई. वहां मौजूद लोगों के अनुसार, इस अफवाह की वजह से चंद मिनटों में, यह मेन गेट दहशत और अव्यवस्था का केंद्र बन गया. आरसीबी की आईपीएल में पहली जीत का जश्न मनाने के लेकर हजारों की संख्या में प्रशंसक वहां पर पहुंच गए. लेकिन लोग फ्री टिकट के लिए पागलों की तरह एक–दूसरे पर गिर पड़े. फिर यहां की व्यवस्था कुव्यवस्था में बदल गई.

अचानक बारिश ने बिगाड़ दिया माहौल

अखबार ज्व के मुताबिक, पास के राजा. जीनगर के अचिमन्या ने कहा, "लोगों ने पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया. यह एक आपदा की तरह थी." लोगों की बढ़ती भीड़ के बीच शाम

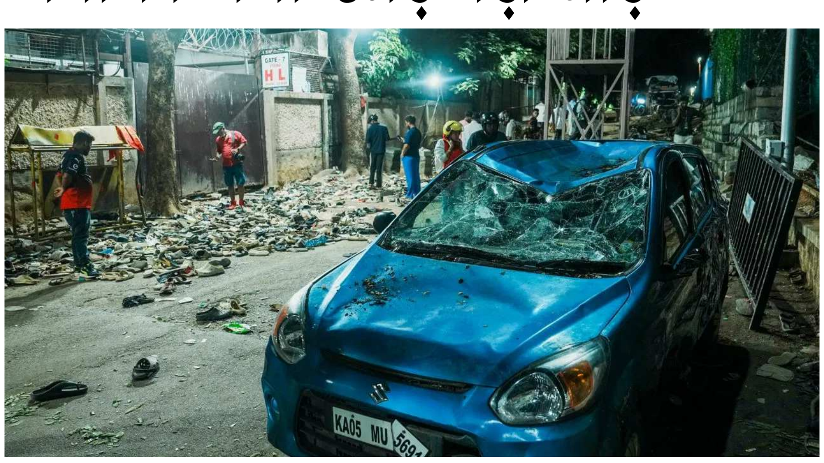

5.30 बजे के आसपास अचानक बारिश ने स्थिति को और खराब कर दिया. प्रतिष्ठित क्रिकेट स्टेडियम में 13 गेटों के साथ 21 स्टैंड हैं. जबकि गेट 9 और 10 राज्य क्रिकेट संघ के सदस्यों के लिए रिजर्व थे. गेट 5, 6, 7, 19 और 20 जिसे टीम का मेन एंट्री रूट तय किया गया था– यहां सबसे अधिक भीड़ उमड़ी. जबकि गेट नंबर 7 से सबसे ज्यादा लोग हताहत हुए.

पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया

भीड़ प्रबंधन को लेकर लापरवाही और शहर में विजय परेड की अनुमति देने में देरी की वहज से भगदड़ की यह घटना घटी. आरआर नगर के अविनाश एस (31) कहते हैं, "40 घायल लोगों के साथ एक एम्बुलेंस थी. मैं किस्मतवाला था कि मैं समय पर बाहर निकल गया. यहां तक कि पुलिस भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार संघर्ष कर रही थी."

हंगामे में फंसी एक महिला प्रशंसक सिंचन एन ने कहा, "मैं सबसे बुरे हालात से इसलिए बच पाई क्योंकि मैं वहां देर से पहुंची.

हकीकत में पुलिस वहां मौजूद भीड़ को नियंत्रित नहीं कर रही थी, बस लोगों को धक्का दे रही थी." यही नहीं एम्बुलेंस जब घायलों को लेकर भीड़ के बीच से निकलने के लिए संघर्ष कर रही थी, तो पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए शाम 6.30 बजे के आसपास कब्बन पार्क सर्किल के पास लाठीचार्ज कर दिया.

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता हाई कोर्ट ने दी जमानत, जमा कराना होगा पासपोर्ट

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है. शर्मिष्ठा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने धार्मिक भावनाओं को आहत किया है. हालांकि, इससे पहले 3 जून को पनोली की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता हाईकोर्ट की वेकेशन बेंच ने अंतरिम जमानत दे दी है. कोर्ट ने कहा कि शर्मिष्ठा पनोली को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि उनका देश छोड़कर भागने का कोई प्लान नहीं है. साथ ही कहा गया कि शर्मिष्ठा को 10000 रुपये की जमानत राशि और जांच के लिए पासपोर्ट जमा करना होगा. कोर्ट ने आदेश दिया कि इस बीच शर्मिष्ठा देश नहीं छोड़ सकती. जहां कोलकाता हाई कोर्ट ने अब शर्मिष्ठा को अंतरिम जमानत दे दी है. वहीं, इससे पहले 3 जून को इन्फ्लुएंसर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी.

"अपनी गलतियों से सीखेगी"

बेटी को अंतरिम जमानत मिलने के बाद शर्मिष्ठा के पिता पृथ्वीराज पैनोली का बयान सामने आया है. पिता ने बेटी को लेकर कहा कि वो बहुत होशियार लड़की है और मैं उसे उसका भविष्य खुद तय करने दूंगा. वो अपनी गलतियों के प्रति सचेत है और मुझे उम्मीद है कि वो अपनी गलतियों से सीखेगी.

क्या था आरोप?

पुणे की 22 वर्षीय लॉ की छात्रा शर्मिष्ठा पानोली को कोलकाता पुलिस ने ऑपरेशन सिन्दूर पर एक वीडियो बनाने को लेकर गिरफ्तार किया था.

कथित तौर पर शर्मिष्ठा पर आरोप था कि उसने अपनी एक वीडियो में धार्मिक भावनाओं को आहत किया था.

इसी आरोप के चलते शर्मिष्ठा को गुरुग्राम में गिरफ्तार किया गया था. उनकी एक इंस्टाग्राम वीडियो को कथित तौर पर एक विशेष धर्म के प्रति अपमानजनक माना गया था. हालांकि, पैनोली ने वीडियो हटा दिया था और 15 मई को माफी भी मांगी थी.

जमानत याचिका हुई थी खारिज

पनोली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उसने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बॉलीवुड अभिनेताओं की चुप्पी पर सवाल खड़े किए थे.

इस वीडियो में उन्होंने कथित तौर पर साम्प्रदायिक टिप्पणियां भी की थीं. इसी के चलते इन्फ्लुएंसर को 30 मई की रात को गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ले गई थी और शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया. जहां उसकी जमानत याचिका खारिज हो गई थी.

हालांकि, अब उसको अंतरिम जमानत दे दी गई है.

कोलकाता पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी शर्मिष्ठा के खिलाफ विभिन्न समुदायों के बीच धार्मिक भावनाएं आहत करने की नीयत से दुर्भावनापूर्ण काम करने, जानबूझकर अपमान करने और शांति भंग करने के इरादे से उकसाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया.

प्रधानमंत्री श्रेय लेने में बहुत आगे... चिनाब ब्रिज के उद्घाटन को लेकर जयराम रमेश ने साधा निशाना

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर के दौरे पर हैं. इस दौरान पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया. इसी के साथ पीएम 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेलवे लिंक का उद्घाटन करेंगे. जहां पूरे देश में की चर्चा हो रही है, इसी बीच कांग्रेस की तरफ से भी बयान सामने आया है. कांग्रेस के नेता, जयराम रमेश ने उधमपुर –श्रीनगर–बारामूला रेलवे लाइन को शासन में निरंतरता का उदाहरण कहा. उन्होंने दावा किया, बारामूला और काजीगुंड के बीच 135 किमी रेल लिंक 26 जून 2013 तक चालू हो गई थी.

जयराम रमेश ने साधा निशाना

सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए जयराम रमेश ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर के दौरे पर हैं, जहां वो उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेलवे लाइन से जुड़े प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे. उन्होंने आगे कहा, ष्ट्रल भी 'ब्रह्मोस' की तरह शासन में निरंतरता का एक शानदार उदाहरण है –जिसे प्रधानमंत्री कभी स्वीकार नहीं करते, लेकिन जिससे बच भी नहीं सकते.

जयराम रमेश ने इस प्रोजेक्ट को लेकर कहा, हकीकत यह है कि शासन में हमेशा निरंतरता होती है. यह जो उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला प्रोजेक्ट है, यह मार्च 1995 में इसको मंजूरी दी गई थी. नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री रहते हुए इसको मंजूरी दी थी. मार्च 2002 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तब इस प्रोजेक्ट को नेशनल प्रोजेक्ट का दर्जा दिया गया था. बारामूला से लेकर श्रीनगर, श्रीनगर से लेकर अनंतनाग, अनंतनाग से काजीगुंड और काजीगुंड से लेकर बनिहाल तक इस योजना का उद्घाटन 2014 से पहले ही कर लिया गया था.

"प्रधानमंत्री श्रेय लेने में बहुत आगे"

जयराम रमेश ने कहा, 272 किलोमीटर में से 160 किलोमीटर ट्रैक का उद्घाटन 2014 से पहले हो गया था. जयराम रमेश ने चिनाब ब्रिज को लेकर कहा यह ब्रिज एक प्रतिष्ठित ब्रिज है. हम भारतीय रेल को बधाई देना चाहते हैं. हम बधाई देते हैं, जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए यह बहुत महत्व रखता है और भारतीय रेल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है. लेकिन कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री को याद दिलाना चाहती है कि उन्हें शासन में निरंतरता को स्वीकारना चाहिए. पहले की सरकार की तरफ से जो काम किए गए हैं, प्रधानमंत्री उनका श्रेय लेने में बहुत आगे हैं.

अब भारत में बनेगी राफेल की मेन बॉडी, फ्रांस की कंपनी के साथ टीएएसएल का हुआ समझौता

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत की एयरोस्पेस ताकत को एक नई उड़ान मिली है. फ्रांस की डिफेंस और एविएशन कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारत की एयरोस्पेस कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने राफेल फाइटर जेट के फ्यूजलेज (मुख्य ढांचे) को भारत में बनाने के लिए चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं.

यह पहली बार होगा जब राफेल विमान का ढांचा फ्रांस से बाहर भारत में तैयार किया जाएगा.

इस कदम को भारत के 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत मिशन की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है.

इस समझौते के तहत टीएएसएल हैदराबाद में एक अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई स्थापित करेगा, जहां राफेल के कई अहम सेक्शन बनाए जाएंगे, जिनमें रियर फ्यूजलेज के लेटरल शेल, पूरा पिछला हिस्सा, सेंट्रल और फ्रंट सेक्शन शामिल हैं.

यह उत्पादन इकाई वित्तीय वर्ष2028 (वित्त वर्ष 2028) से पहले अपने पहले फ्यूजलेज सेक्शन का निर्माण शुरू कर देगी और हर महीने 2 फुल फ्यूजलेज तैयार करने की क्षमता रखेगी.

पहली बार फ्रांस से बाहर बनेगा राफेल का ढांचा

डसॉल्ट एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा,"यह पहली बार है जब राफेल का ढांचा फ्रांस के बाहर बनाया जाएगा. भारत में हमारी सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम है. टीएएसएल जैसे मजबूत स्थानीय साझेदारों के साथ मिलकर हम गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता के अपने मानकों को बनाए रखते हुए प्रोडक्शन को तेजी से आगे बढ़ा पाएंगे.

समझौते को लेकर टीएएसएल के चेयरमैन ने कही ये बात

टीएएसएल के सीईओ और एमडी सुकरण सिंह ने कहा, "यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस यात्रा में एक अहम मोड़ है. राफाल फ्यूजलेज का पूरा निर्माण भारत में होना इस बात का प्रमाण है कि डसॉल्ट एविएशन को हमारी क्षमताओं पर भरोसा है और भारत एक वैश्विक एयरोस्पेस निर्माण हब बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है.

यह समझौता भारत को वैश्विक एयरोस्पेस सप्लाई चेन में एक अहम कड़ी बनाने के साथ–साथ स्वदेशी तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी मजबूती देगा.

समझौते में क्या है खास

पहली बार भारत में बनेगा राफाल फाइटर जेट का फ्यूजलेज.

हैदराबाद में स्थापित होगी हाई–टेक प्रोडक्शन फैसिलिटी.

वित्तीय वर्ष2028 से शुरू होगा उत्पादन, हर माह 2 फ्यूज़लेज तैयार करने की क्षमता.

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को मिलेगा बड़ा बढ़ावा.

यह साझेदारी भारत को रक्षा निर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देने वाली है.

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर दोहराया आत्मसमर्पण का तंज

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राजगीर (बिहार) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना "आत्मसमर्पण" कटाक्ष दोहराया, जिसने हाल ही में भाजपा की नाराजगी पैदा कर दी थी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बिहार में एक 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' (संविधान की रक्षा के लिए संगोष्ठी) में यह अभिव्यक्ति का इस्तेमाल किया, कुछ दिनों पहले उन्होंने मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। गांधी ने नालंदा जिले के राजगीर में

कहा, "ट्रंप ने कम से कम 11 बार कहा है कि उन्होंने मोदी को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। हमारे पीएम विरोध में रो भी नहीं पा रहे हैं। इसका कारण यह है कि ट्रम्प ने जो कहा है, वह वास्तविकता है।"

गौरतलब है कि गांधी ने इस सप्ताह की शुरुआत में भोपाल में दावा किया था कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के चरम पर, ट्रम्प ने मोदी से कहा था, "नरेंद्र, आत्मसमर्पण करो"।

इस टिप्पणी ने भाजपा को नाराज़ कर दिया था, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इसे ष्देशद्रोहष् कहा और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि यह कथन हाफ़िज़ सईद जैसे आतंकवादियों द्वारा भारत के बारे में कही गई बातों से कहीं ज़्यादा अपमानजनक है।

हालाँकि, राजगीर में अपने संबोधन में, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहारू ष्मैं आरएसएस से लड़ रहा हूँ और वे बहुत आसानी से आत्मसमर्पण कर देते हैं। उन्हें दया याचिकाएँ लिखने में ज़्यादा समय नहीं लगता। बेशक, आधुनिक तकनीक ने कलम और कागज़ की जगह व्हाट्सएप को ले लिया है। यह इशारा आरएसएस विचारक विनायक दामोदर सावरकर द्वारा ब्रिटिश राज को लिखी गई क्षमा याचिकाओं की ओर था, जब वे अंडमान की सेलुलर जेल में बंद थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आत्मसमर्पण करने की कथित प्रवृत्ति तब काम कर रही थी जब आरएसएस के पूर्व प्रचारक मोदी ने जाति जनगणना की मांग के आगे घुटने टेक दिए थे।

इटली के सांता जूलिया म्यूजियम में भारत-इटली बिजनेस डील की गूंज, पीयूष गोयल भी पहुंचे

इटली के ब्रेशिया शहर स्थित सांता जूलिया म्यूजियम में भारत-इटली रणनी. तिक साझेदारी को लेकर बड़ा कार्यक्रम आयोजित हो रहा है. इसमें भारत के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी शामिल हुए. इटली इंडिया बिजनेस फोरम के दौरान दोनों देशों के उद्योगपति रणनीतिक और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारत और इटली के रिश्तों में एक नया मोड़ लाने के लिए इटली के ब्रेशिया शहर में एक खास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का नाम है इटली–इंडिया स्ट्रेटेजिक इकोनॉमिक पार्टनरशिप. इस कार्यक्रम में भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी प्रमुख रूप से शामिल हुए हैं.

कार्यक्रम का आयोजन जिस जगह हुआ है, वह सिर्फ एक कॉन्फ्रेंस हॉल नहीं, बल्कि इतिहास की सांसें समेटे बैठा एक अनोखा म्यूजियम है जिसका नाम सांता जूलिया म्यूज़ियम है. इस संग्रहालय में हो रही इस मुलाकात ने सांस्कृतिक और कारोबारी रिश्तों को एक साथ जोड़ने का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है.

कारोबारी रिश्तों पर बात, बड़े उद्योगपतियों की मौजूदगी

इस मंच पर भारत और इटली के कई नामी–गिरामी उद्योगपति भी पहुंचे हैं. इटली इंडिया बिजनेस फोरम के तहत दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी, व्यापारिक सहयोग और निवेश के अवसरों पर चर्चा की जा रही है. इटली की मजबूत तकनीकी ताकत और भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को साथ लाकर किस तरह 'विन–विन' पार्टनरशिप बनाई जा सकती है, यही इस फोरम का मुख्य मकसद है.

कहां हो रहा है कार्यक्रम? एक म्यूजियम जो खुद में इतिहास है

इस पूरे आयोजन का स्थल सांता जूलिया म्यूज़ियम है जो सिर्फ एक जगह नहीं, बल्कि इटली के इतिहास और संस्कृति की धड़कन है. यह म्यूजियम एक पुराने बेनेडिक्टिन मठ में बना हुआ है, जिसे 8वीं शताब्दी में लोंगोबर्ड राजा डेसिडेरियस और उनकी रानी अंसा ने बनवाया था. करीब 14,000 वर्ग मीटर में फैला ये म्यूज़ियम इटली की प्राचीन से लेकर आधुनिक कलाकृतियों का भंडार है. यहां इतिहास के हर दौर प्रागैतिहासिक काल से लेकर 18वीं शताब्दी तक की झलक मिलती है.

क्या–क्या है इस म्यूजियम में खास?

सैन साल्वातोरे बेसिलिकारू 8वीं सदी में बनी ये इमारत लोंगोबर्ड स्थापत्य कला की मिसाल है.

इसमें बायज़ेंटाइन शैली की पेंटिंग्स और रोमन काल के रीयूज्ड स्तंभ लगे हुए हैं. सांता मारिया इन सोलारियोरू 12वीं शताब्दी का यह छोटा चर्च मठ के खजाने को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था.

यहां की भित्तिचित्रों को फ्लोरियानो फेरामोला ने तैयार किया था.

ननों का कोरस यह पूरा कक्ष रंगीन चित्रों से सजा हुआ है, जिनमें यीशु मसीह के जीवन और संतों की कहानियाँ उकेरी गई हैं.

डोमस डेलओर्तालियारू ये दो पुराने रोमन घर हैं, जिनमें खूबसूरत मोज़ेक फर्श और दीवार चित्र मौजूद हैं. ये 1वीं से 4वीं सदी के बीच के हैं और रोमन जीवनशैली की झलक देते हैं.

डिप्टिक ऑफ बोएथियसरू हाथीदांत से बना यह खास टुकड़ा 5वीं सदी का है, जिसे रोमन कौंसल मैनलियस बोएथियस के सम्मान में बनाया गया था.

यूनेस्को भी मान चुका है इसकी अहमियत

2011 में इस पूरे क्षेत्र सैन साल्वातोरे–सांता जूलिया मठ परिसर और ब्रेशिया का रोमन पुरातात्विक क्षेत्र को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया था. यानी अब ये जगह सिर्फ इटली के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है.

एक साथ संस्कृति और साझेदारी

भारत–इटली के इस रणनीतिक सम्मेलन का इस खास म्यूज़ियम में आयोजन, दोनों देशों के संबंधों को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. ब्रेशिया की इस ऐतिहासिक धरोहर में गूंजती व्यापारिक चर्चाओं की गूंज, आने वाले समय में भारत–इटली संबंधों को एक नई दिशा देने वाली है.

भारतीय वायुसेना ने बीमार जवान को बचाया, कारगिल की दुर्गम चोटियों से किया एयरलिफ्ट

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर अपने साहस और क्षमता का प्रदर्शन किया है. वायुसेना के एएन–32 विमान ने कारगिल से गंभीर रूप से बीमार जवान को सफलतापूर्वक एयरलिफ्ट किया. इस गंभीर रूप से बीमार जवान को कारगिल से चंडीमंदिर तक पहुंचाकर उसकी जान बचाई गई. यह ऑपरेशन मौसम और हालात के मुताबिक काफी चुनौतीपूर्ण था. बता दें कि कारगिल, जो काफी ऊंचाई पर स्थित है. गर्मियों में भी परिवहन अभियानों के लिए बेहद कठिन क्षेत्र माना जाता है. यहां ऑक्सीजन स्तर भी कम होता है और तापमान में ज्यादा उतार–चढ़ाव होता है.

वायुसेना ने पूरा किया मिशन

इसके बावजूद वायुसेना के ।द–32 विमान ने अपनी प्रदर्शन सीमा के बिल्कुल किनारे पर रहकर यह मिशन सफलता से पूरा किया. इस ऑपरेशन को फर्स्ट लाइट यानी सुबह की पहली रोशनी में अंजाम दिया गया, जिससे समय की महत्ता और मिशन की संवेदनशीलता स्पष्ट होती है.

सेना हर चुनौती को पार करने में सक्षम

वायुसेना की तत्परता और तकनीकी दक्षता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि संकट की घड़ी में वह देश के हर नागरिक के लिए भरोसे की सबसे मजबूत दीवार है.

वायुसेना की इस सराहनीय कार्रवाई ने न केवल एक सैनिक की जान बचाई, बल्कि यह भी दिखा दिया कि सेना हर चुनौती को पार करने में सक्षम है.

सुंदर नगरी, किराड़ी और रोहिणी के स्कूल चालू करने की मांग.... आतिशी ने दिल्ली सरकार को लिखी चिट्ठी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने शिक्षा मंत्री आशीष सूद को चिट्ठी लिखी है. उन्होंने केजरीवाल सरकार द्वारा सुंदर नगरी, किराड़ी और रोहिणी सेक्टर–27 में बनाए गए तीन नए सरकारी स्कूलों को जल्द से जल्द खोलने की मांग को लेकर यह चिट्ठी लिखी है. इस संबंध में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी एक्स पर सवाल उठाया है. उन्होंने तीनों स्कूलों की नई बिल्डिंग की फोटो साझा करते हुए भाजपा पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि यह जंग भारत में शिक्षा के अधिकार और शिक्षा माफिया के बीच है.

मनीष सिसोदिया ने कहा कि सुंदर नगरी, किराड़ी और रोहिणी जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में अरविंद केजरीवाल की सरकार के दौरान बनाए गए थे. बिल्डिंग्स तैयार है, स्मार्ट क्लास, लैब, लाइब्रेरी, रंग–बिरंगी क्लासें सब कुछ है. जनवरी 2025 से चालू होने थे. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इन स्कूलों में ताले लगवा दिए. इन स्कूलों में ताले लगने से हज़ारों बच्चों का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है.

आतिशी ने कहा कि ये स्कूल भवन खास तौर पर इन घनी आबादी वाले इलाकों में बनाए गए थे, क्योंकि आसपास सरक. ारी स्कूलों की कमी थी. इस वजह से या तो इलाके के सरकारी स्कूलों में भीड़भाड़ थी या माता–पिता को मजबूरी में अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में भेजना पड़ता था. ये स्कूल भवन नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच बनकर तैयार हो गए थे. इनमें अप्रैल 2025 से नए शैक्षणिक सत्र में छात्रों के दाखिले होने थे.

आतिशी ने शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि जरूरी अधिसूचनाएं जारी करें ताकि इन तीनों स्कूलों में छात्रों के दाखिले हो सकें और चल रही गर्मी की छुट्टियों के बाद इन स्कूल भवनों का उपयोग तुरंत शुरू हो सके.

आतिशी ने कहा है कि इन घनी आबादी वाले इलाकों में अरविंद केजरीवाल ने शानदार स्कूल स्कूल बनवाए.

नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच तीनों स्कूल बन कर तैयार हो गए. लेकिन शिक्षा विरोधी भाजपा सरकार ने इन स्कूलों में एडमिशन ही नहीं किए. बिल्डिंग्स पर।

पटना हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा, कहा- गंभीर अपराधों में जमानत सोच-समझकर देना चाहिए

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की तीन सदस्यीय पीठ ने हत्या के एक मामले में चार आरोपियों को अग्रिम जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज किया है.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में अग्रिम जमानत बिना सोच–विचार के नहीं दी जानी चाहिए. जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की तीन सदस्यीय पीठ ने हत्या के एक मामले में चार आरोपियों को अग्रिम जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज करते हुए ये टिप्पणी की.पीठ ने अपने आदेश में कहा, पटना उच्च न्यायालय के आदेश में, आईपीसी की धारा 302, 307 के तहत गंभीर अपराध से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत देने का कोई आधार नहीं बताया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि ये समझ से परे है कि आदेश क्यों दिया गया. गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में, इस तरह से बिना सोच–विचार किये अग्रिम जमानत देना उचित नहीं है और इसे रद्द किया जाना चाहिए. एफआईआर और दूसरी चीजों को सरसरी तौर पर पढ़ने पर अदालत ने पाया कि अपील करने वाले के पिता पर हमला किया गया और उसकी हत्या अपील करने वाले की मौजूदगी में की गई. ऐसे में, अदालत ने कुछ गंभीर बातें की.

ये आदेश मृतक के बेटे की ओर से दायर याचिका पर आया है, जिसमें अग्रिम जमानत देने के आदेश को चुनौती दी गई थी. याचिकाकर्ता के पिता पर 2023 में पड़ोसियों के बीच विवाद होने के दौरान सरिया और लाठियों से हमला किया गया था. सिर में चोट लगने के कारण उसी दिन उनकी मृत्यु हो गई और अपील करने वाले के बयान के आधार पर सात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई.

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ये घटना एक रास्ते को रोकने से जुड़े विवाद से उपजी है. जैसा कि एफआईआर में भी कहा गया है, आरोपियों की अहम भूमिकाएं इस बात का संकेत देती हैं कि पीड़ित (जिसकी बाद में मृत्यु हो गई) के अचेत हो जाने के बाद भी उन्होंने हमला जारी रखा.

संपादकीय

राजनीतिक संतुलन संकट

उदारवादी आकांक्षाओं और राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों के बीच लंबे समय से झूलते रहे देश में, पोलैंड में हुए हालिया राष्ट्रपति चुनाव ने इस बात को रेखांकित किया है कि इसका राजनी. तिक भविष्य कितना संतुलित है। दक्षिणपंथी इतिहासकार करोल नवरोकी ने उदारवादी वारसॉ मेयर रफाल ट्रज़ाकोव्स्की पर 50.9 प्रतिशत से 49.1 प्रतिशत के अंतर से राष्ट्रपति पद हासिल किया है, पोलैंड ने एक बार फिर ऐसा फैसला सुनाया है जो राजनीतिक रूप से उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि प्रतीकात्मक रूप से शक्तिशाली। श्री नवरोकी का उदय केवल एक व्यक्तिगत जीत नहीं है; यह राष्ट्रीय–रूढ़िवादी कानून और न्याय (पीआईएस) पार्टी के लिए एक जीवन रेखा है, जिसने 18 महीने पहले संसदीय शक्ति खो दी थी। हालाँकि पोलिश राष्ट्रपति पद काफी हद तक औपचारिक है, लेकिन इसमें एक महत्वपूर्ण शक्ति है – वीटो – जिसका उपयोग श्री नवरोकी द्वारा प्रधान मंत्री डोनाल्ड टस्क के यूरोपीय संघ समर्थक एजेंडे को विफल करने के लिए किया जाना अपेक्षित है। पीआईएस के लिए, श्री नवरो. की की जीत इस बात का संकेत है कि उनका आधार अभी भी कम नहीं हुआ है और 2027 के संसदीय चुनाव उनके पक्ष में जा सकते हैं। यह दौड़ पोलैंड के गहरे वैचारिक विभाजन को दर्शाती है। एक तरफ श्री ट्रज़ाकोव्स्की खड़े थे, जो शहरी और उदार थे, जो पोलैंड के यूरोपीय मुख्यधारा में मजबूती से एकीकृत होने और फ्रांस और जर्मनी के साथ मिलकर काम करने के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते थे। दूसरी तरफ श्री नवरोकी थे, जो कैथोलिक मूल्यों, राष्ट्रीय संप्रभुता और पोलैंड के ब्रुसेल्स के प्रति कम आभारी होने के दृष्टिकोण के पक्षधर एक कट्टर परंपरावादी थे। हालाँकि दोनों उम्मीदवार रूसी आक्रामकता के खिलाफ़ यूक्रेन की लड़ाई का समर्थन करते हैं, लेकिन श्री नवरोकी का नाटो या यूरोपीय संघ में यूक्रेन के प्रवेश का विरोध पश्चिम की रणनीतिक सहमति से एक महत्वपूर्ण विचलन को दर्शाता है। श्री नवरोकी के अभियान ने लोकलुभावन कथा का भी लाभ उठाया जो यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में गूंजती रहती है। शारीरिक मजबूती पर जोर देने से लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तस्वीरें पोस्ट करने तक, उन्होंने खुद को एक सांस्कृतिक योद्धा के रूप में स्थापित किया, जो उदारवादी अतिक्रमण के रूप में देखे जाने वाले ष्साधारण पोल्सष् की रक्षा के लिए तैयार है। श्री ट्रज़ाकोव्स्की के विश्वव्यापीकरण के साथ इसका विरोधाभास स्पष्ट था – और, अंततः, 1.8 प्रतिशत अंकों के मामूली अंतर से तय होने वाली दौड़ में निर्णायक था। फिर भी, श्री नवरोकी का जनादेश छाया के साथ आता है। उनके रियल एस्टेट सौदों पर विवाद, विशेष रूप से संदिग्ध परिस्थितियों में एक पेंशनभोगी के अपार्टमेंट की खरीद ने उनके लोकलुभावन व्यक्तित्व की नैतिक स्थिरता पर संदेह पैदा किया। यह कि इस घोटाले ने उनके समर्थन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं किया, या तो उदार नैतिकता से थकान या अभिजात वर्ग के आख्यानों के प्रति कठोर संदेह का संकेत देता है। पोलैंड में तत्काल राजनी. तिक भविष्य गतिरोध से चिह्नित होगा। प्रधान मंत्री टस्क, अब एक ऐसे राष्ट्रपति का सामना कर रहे हैं जो उनके प्रमुख सुधारों को अवरुद्ध करने की संभावना रखते हैं, ने विश्वास मत की घोषणा की है – वैधता को मजबूत करने के लिए एक सुनियोजित कदम लेकिन ऐसा जो मौलिक गतिरोध को हल नहीं करेगा। पोलैंड लोकतांत्रिक तनाव की स्थिति में बहता रह सकता है, जहाँ सत्ता साझा की जाती है लेकिन शायद ही कभी सहयोग किया जाता है। यह चुनाव राष्ट्रीय प्रतियोगिता से कहीं अधिक है कृ यह पश्चिमी दुनिया के अधिकांश भाग को आकार देने वाली वैचारिक दरारों का दर्पण है। पोलैंड का पेंडुलम एक बार फिर दाईं ओर घूम गया है, लेकिन यह अब गहरी राजनीतिक अनिश्चितता के क्षेत्र में लटका हुआ है।

मां है, जिस गंगा का आज दशहरा, अब भी उतनी ही पावन, लेकिन हमने कर दिया मैली और बदबूदार

'kHkukFk 'kDy

आज गंगा दशहरा है. आज के ही दिन सुरसरि गंगा पृथ्वी लोक में अवतरित हुई थीं. राजा भागीरथ की तपस्या के बाद गंगा पृथ्वी पर आने को राजी हुईं. लेकिन ब्रह्मा जी के कमंडल से जब वे निकलीं तब उनका वेग इतना अधिक था कि पृथ्वी क्या कोई भी धरातल उसे सहन नहीं कर पाता. इसलिए शिव ने अपनी जटाएं खोलीं और सुरसरि उन्हीं में उलझ कर रह गईं. पृथ्वी पर एक बूंद नहीं. राजा भागीरथ फिर चिंतित हुए. गंगा न आईं तो उनके 60 हजार पुरखों का तर्पण कैसे होगा!

भागीरथ ने अब शिव जी की तपस्या की. शिव जी प्रसन्न हुए और गंगा पृथ्वी पर अवत. रित हुईं. गंगा के अवतरण की यह कथा पुराणों में मिलती है. किंतु गंगा की धाराओं को देखा जाए तो लगता है, गंगा का प्रवाह ऐसा ही है. हिमालय की तमाम चोटियों, कन्दराओं से निकल कर इस नदी को गंगा नाम देवप्रयाग में मिलता है.

अठखेलियां करती गंगा

देवप्रयाग में इस नदी की दो धाराएं मिलती हैं. एक तरफ गोमुख से निकली भागीरथी आ रही होती है और दूसरी तरफ से बद्रीनाथ से निकली अलकनंदा. चूंकि देवप्रयाग में दोनों नदियों में पानी समान होता है इसलिए यहां नया नाम मिला गंगा. देवप्रयाग से ऋषिकेश तक गंगा एक अल्हड़ किशोरी की तरह चपल वेग से अठखेलियां करती हुई आती है.

यहां से हरिद्वार तक गति क्षिप्र है किंतु उसके बाद गंगा मंथर गति से बहती है. यहां लगता है गंगा अब शांत है. यहां से सुदूर गंगा सागर तक गंगा की गति समान है. गंगा के इस पूरे प्रवाह में अकेले भागीरथ के पूर्वजों को ही मोक्ष नहीं मिला अपितु लाखों–करोड़ों लोग अपने मृतक पूर्वजों की राख इस नदी में प्रवाहित करते हैं या इसी के किनारे उनकी चिता लगाते हैं.

नित्य स्नान का महत्व

गंगा को पुराणों में मोक्षदायिनी माना गया है. पितरों के लिए तारण–कर्त्ता और मनुष्य के पापों का शमन करने वाली गंगा में स्नान का बहुत महत्त्व है. हिंदू धर्म में गंगा स्नान को इतना पुण्यकारी बताया गया है कि हर तीज त्योहार में गंगा स्नान की अनिवार्यता है. इसके अलावा अमावस्या और पूर्णिमा को भी. गंगा दशहरा जैसे पर्वों और सावन में तो रोज गंगा स्नान की महत्ता है. सावन में गंगा जल लाने श्रद्धालु गंगोत्री और गोमुख जाते हैं और पास के शिव मंदिर में वह जल चढ़ाते हैं. गंगा और शिव की ऐसी लोक मान्यता श्रद्धालु हिंदुओं में व्याप्त है कि गंगा जल के बिना शिव की पूजा–अर्चना को पूरा नहीं माना जाता. ऐसी गंगा के अवतरण पर गंगा और गंगा स्नान का महत्त्व तो होगा ही. इस दिन भी शिवलिंग पर गंगा जल चढ़ाने की परंपरा है. माघ में तड़के उठकर गंगा नहाने की परंपरा भी है.

पवित्रता और प्रदूषण साथ–साथ

लेकिन ऐसी पवित्र नदी गंगा को हम हिंद. ुओं ने इतना दूषित कर दिया है कि गोमुख–गंगोत्री से गंगा सागर तक कहीं भी गंगा जल प्रदूषण से मुक्त नहीं है. आजकल आवागमन सुगम हो जाने के कारण श्रद्धालु गोमुख तक आराम से आ–जा सकते हैं. प्राचीन काल से ही हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों में लोग जाते रहे हैं. गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ भी. परंतु पहले जो यात्री जाता था, उसके मन में पवित्रता का भाव रहता था. वह अपना उच्छिष्ट तथा भोजन–पानी की गंदगी गंगा किनारे नहीं फैलाता था. लेकिन आज गोमुख पर भी शराब की बोतलें और नमकीन के पाउच तक मिल जाते हैं. प्लास्टिक नष्ट नहीं होता मगर कोई भी यात्री इस बात को नहीं समझता. आज का यात्री पर्यटक है, उसे हर जगह सुविधा चाहिए, श्रद्धा का भाव आज कहीं नहीं दिखता.

पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा

संयोग से इस साल अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा एक ही दिन 5 जून को पड़ रहा है. और जब भी हम देश में पर्यावरण शुद्धता की बात करते हैं तो गंगा और यमुना नदियां हमारे सामने आ जाती हैं. प्लास्टिक के कचरे, मानव मल–मूत्र तथा औद्योगिक उच्छिष्ट इन नदियों का सत्यानाश कर रखा है. यूं इस बार 5 जून 2025 के पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत रखा गया है. लेकिन क्या हम सच में प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त कर पाएंगे.

कितनी बार प्लास्टिक बैग पर रोक के कानून बनाये जाते हैं पर वे अमल में नहीं आ पाते. दिल्ली के पड़ोस में स्थित गाजियाबाद और नोएडा में आप कहीं भी प्लास्टिक थैली पा जाएंगे. सब्जियां ही नहीं लोगबाग दूध, दही, पनीर जैसी चीजें भी पतली प्लास्टिक थैली में ले जाते मिल जाएंगे.

प्लास्टिक कचरे से बढ़ा प्रदूषण

इन्हें रोकने का कानून तो है किंतु इस पर अमल कौन करवाए! सभी को पता है प्लास्टिक नष्ट नहीं होता. वह कचरा बनकर नदी के अविरल प्रवाह को बाधित करता रहता है. नतीजा पानी एक जगह ही ठहर जाता है. इसकी वजह से बाढ़ और सूखे जैसी आपदाएं आती हैं. गंगा के पानी से पहले सिंचाई होती थी किंतु अब गंगा जल से दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद को पेय जल की सप्लाई होती है.

सच्चाई तो यह है कि अपर गंगा कैनाल का अधिकतर पानी हरिद्वार से 200 किमी की दूरी के बीच ही खींच लिया जाता है. जबकि 1854 में बनी इस नहर का मकसद उत्तर प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में ही का था. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1834 के भयानक सूखे के बाद इस नहर को बनाने की योजना शुरू की थी.

कर्नल प्रॉब काटले ने यह नहर 1842 में बनाना शुरू किया था. इस बीच कई बाधाएं आईं. पहले तो हरिद्वार के पंडों ने विरोध किया. काटले ने किसी तरह उनको शांत किया उसके बाद हरिद्वार और रुड़की के बीच बरसाती नदियों का प्रवाह मार्ग जिनके ऊपर से नहर निकाली. अंततः 12 वर्ष में यह नहर हरिद्वार से कानपुर तक बन कर तैयार हुई. 8 अप्रैल 1854 को यह नहर खोल दी गई. इसके बाद से तो खेतों को सिंचाई का नया माध्यम मिला.

मगर इस नहर को बनाने के पीछे एक उद्देश्य और था और वह था इस बहाने नील की खेती को बढ़ाना. नील की खेती को पानी बहुत चाहिए और इसके लिए परंपरागत जल स्रोत पूरे नहीं पड़ते. नील की खेती ने भू–जल के स्तर को भी गिरा दिया था. यूरोप के बाजारों में नील की खपत को देखते हुए अंग्रेज नील की खेती का रकबा भी बढ़ाना चाहते थे.

गंगा जी का मान बढ़ाएं

गंगा दशहरा पर अगर श्रद्धालु हिंदू यह प्रतिज्ञा करें कि वे गंगा स्नान तो करेंगे और इसके तट पर पुरखों का तर्पण भी. पर गंगा को प्रदूषित नहीं होने देंगे तो यह उनकी सबसे बड़ी गंगा सेवा होगी. आज की तारीख में गंगा गोमुख, गंगोत्री, हर्षिल, उत्तरकाशी से ही प्रदूषित होनी शुरू हो जाती है. ऋषिकेश में परमार्थ निकेतन से हरिद्वार की तरफ चलने पर कुछ स्थल ऐसे हैं, जहां बिना नाक दबाये चलना मुश्किल है. इसके बाद गंगा प्रदूषित होती है फर्रुखाबाद में फिर कानपुर में.

कानपुर से 20 किमी पहले ब्रह्मावर्त (बिठूर) में आज से 30 साल पहले गंगा की धारा निर्मल थी, वहां का पानी अब काला है. फर्रुखाबाद के छपाई उद्योग का सारा गंदा पानी गंगा में जाता है. बिठूर के आगे कानपुर तो खैर गंदगी की खान है.

कानपुर में गंगा मैया कहां!

कानपुर की पहचान इस शहर में बहती गंगा मैया थीं. यहां कहा जाता था, कानपूर कनकैया जिसमें बहती गंगा मैया! पर इस कानपुर में अब गंगा मैया नहीं बहतीं, काला बदबूदार जल उतराता है. लावारिश लाशें उतराती हैं और डूबे हुए पशु. कानपुर के किसी भी घाट पर पानी नहीं है. पानी उस पार के शुक्ल गंज की तरफ झुक गया है. कानपुर शहर के उत्तरी किनारे पर गंगा नदी है और दक्षिणी किनारे पर यमुना.

संयोग है कि इटावा के बाद औरैया में पचनदा में यमुना में चम्बल, पहुज, क्वारी और सरस्वती नदी मिलती हैं. सरस्वती को लुप्त बताया जाता है पर चम्बल, क्वारी और पहुज में अथाह पानी है. इनका जल ले कर यमुना आगे बढ़ती है तो हमीरपुर में बेतवा आ कर उसमें मिलती है. इस वजह से यमुना खूब समृद्ध हो जाती है.

प्रयागराज में यमुना की समृद्धि

प्रयागराज में यमुना जब गंगा में मिलती है, तब गंगा का जल स्तर बढ़ता है. इसके बाद गंगा आगे बढ़ती है मिर्जापुर और बनारस की तरफ. इसके बाद गंगा में कई और सहायक नदियां आ कर मिलती हैं. पटना और भागलपुर के बाद पाकुड़ के पास के बाद गंगा फिर दो धाराओं में बंट जाती है. एक मुर्शिदाबाद की तरफ बढ़ती है, जिसे भागीरथी बोलते हैं.

मुर्शिदाबाद के बाद इसका नाम हुगली हो जाता है जो कलकत्ता होती हुई गंगा सागर पहुंच कर विशाल डेल्टा बनाती है और बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है. दूसरी धारा बांग्लादेश को जाती है, जिसका पहले नाम पद्मा और ब्रह्मपुत्र के मिलने के बाद इसे जमना नाम मिलता है. कुछ आगे बढ़ कर मेघना कहलाती हुई यह भी बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती है.

रेल यात्रियों के आधार आईडी की होगी जांच, एम-आधार एप पकड़ेगा फर्जीवाड़ा, रेल मंत्रालय ने दिया निर्देश

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : रेल मंत्रालय ने देश के सभी रेलवे जोन को निर्देश दिया है कि टिकट जांच कर्मी यात्रियों की आधार पहचान 'एम–आधार एप्लिकेशन' के माध्यम से जांच करें. मंत्रालय ने कहा कि अगर कोई आधार कार्ड फर्जी पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई की जाए. यह निर्देश उन मामलों के सामने आने के बाद जारी किया गया है, जिनमें कुछ लोग फर्जी या जाली आधार कार्ड के साथ भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं तथा रोजगार और यात्रा सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए पहचान प्रमाण के रूप में इनका इस्तेमाल कर रहे हैं. रेल मंत्रालय ने प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधकों को संबोधित पत्र में कहा कि आधार कार्ड के दुरुपयोग और पहचान की जालसाजी को रोकने के लिए यह आवश्यक हो गया है कि पहचान सत्यापन की प्रक्रिया को और मजबूत किया जाए. टिकट जांच कर्मियों को बिना किसी पूर्व निर्धारित क्रम के यात्रियों के पहचान–पत्र की जांच और सत्यापन करना चाहिए.

असली पहचान की जांच

पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा विकसित 'एम–आधार एप्लिकेशन' असली पहचान की जांच के लिए उपयोगी है. इस ऐप में क्यूआर कोड आधारित सत्यापन की सुविधा उपलब्ध है.

रेल मंत्रालय ने बताया कि आधार कार्ड पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस व्यक्ति की तस्वीर, नाम, लिंग, जन्म तिथि, पता और आधार संख्या जैसी मुख्य पहचान जानकारी स्क्रीन पर दिखाई देती है, जिससे दस्तावेज़ की प्रामाणिकता का तुरंत सत्यापन किया जा सकता है.

ऑफलाइन मोड में भी करेगा काम

पत्र में यह भी बताया गया कि यह एप्लिकेशन ऑफलाइन मोड में भी कार्य करता है, जिससे यह जालसाजी और फर्जी पहचान की घटनाओं को रोकने में उपयोगी साबित हो सकता है. रेलवे के सभी जोन से अनुरोध किया गया है कि वे अपने टिकट जांच कर्मियों को 'एम–आधार ऐप' डाउनलोड कर उसका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करें.

फर्जीवाड़ा पर होगी कानूनी कार्रवाई

पत्र में कहा गया है, यदि किसी भी यात्री या कर्मचारी का आधार कार्ड संदिग्ध या फर्जी प्रतीत हो, तो इसकी जानकारी तुरंत रेलवे सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस, राज्य रेलवे पुलिस को दी जानी चाहिए ताकि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके. मंत्रालय ने यह भी याद दिलाया कि आधार अधि. नियम के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति फर्जी पहचान अपनाता है या धोखाधड़ी से आधार प्राप्त करता है, तो उसके खिलाफ जेल और जुर्माने का प्रावधान है.

विश्व पर्यावरण दिवस पर आचार्य प्रशांत को मिला सर्वाधिक प्रभावशाली पर्यावरणविद् पुरस्कार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : दार्शनिक और लेखक आचार्य प्रशांत को गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित सर्वाधिक प्रभावशाली पर्यावरणविद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ग्रीन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान किए गए इस पुरस्कार में आचार्य प्रशांत को "आध्यात्मिक स्पष्टता को पर्यावरण जागरूकता के साथ एकीकृत करने" और "लाखों लोगों को अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने" में उनके अद्वितीय योगदान के लिए मान्यता दी गई। जलवायु संकट सिर्फ़ बाहर नहीं है, यह अंदर भी है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं क्योंकि हमारा मन लालच से जल रहा है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है क्योंकि हमारी इच्छाओं की कोई सीमा नहीं है। इससे पहले कि हम जिम्मेदारी से काम करें, हमें पहले स्पष्ट रूप से सोचना चाहिए।

अरब सागर में आज से नौसेना की फायरिंग एक्सरसाइज, 11 जून तक अलर्ट जारी

नौसेना ने इस क्षेत्र के सभी जहाजों और विमानों को सतर्क रहने की सलाह दी है. अभ्यास के दौरान नौसेना के युद्धपोत और संभवतः पनडुब्बियां शामिल हो सकती हैं. यह ड्रिल भारतीय नौसेना की समुद्री युद्ध तैयारियों और क्षमताओं को परखने का हिस्सा है.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना ने अरब सागर में एक बड़े स्तर की फायरिंग एक्सरसाइज की घोषणा की है. इसके लिए भारत ने आज से 11 जून 2025 तक नोटम जारी किया है. यह नौसैनिक अभ्यास गोवा और कारवार के बीच समुद्री क्षेत्र में किया जाएगा. नौसेना की यह फायरिंग ड्रिल करीब 96,000 वर्ग किलोमीटर में फैली होगी, जिसकी अधिकतम लंबाई 600 किलोमीटर तक होगी. इस क्षेत्र में सभी जहा. जों और विमानों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. अभ्यास के दौरान नौसेना के युद्धपोत और संभवतः पनडुब्बियां शामिल हो सकती हैं. यह ड्रिल भारतीय नौसेना की समुद्री युद्ध तैयारियों और क्षमताओं को परखने का हिस्सा है.

96,000 वर्ग किलोमीटर में प्रशिक्षण

अधिसूचना के अनुसार, यह नौसैनिक अभ्यास 96,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में किया जाएगा, जिसकी अधिकतम लंबाई लगभग 600 किलोमीटर है. अभ्यास की टाइमिंग आज सुबह 8 : 00 बजे से शुरू होकर 11 जून को शाम 7 : 30 बजे तक चलेगी. वहीं नागरिक और वाणिज्यिक जहाजों और विमानों को इस क्षेत्र से बचने की एडवाइजरी जारी की गई है. भारतीय नौसेना के इस अभ्यास का मकसद समुद्री रणनीतिक तैयारियों को परखना और युद्धक क्षमता को मजबूत करना है.

अरब सागर में फायरिंग एक्सरसाइज

इससे पहले भारतीय नौसेना ने 3 से 7 मई तक फायरिंग एक्सरसाइज किया था. यह एक्सरसाइज कर्नाटक के करवार तट से लगभग 390 किलोमीटर दूर अरब सागर में किया गया था. बता दें कि करवार नौसेना बेस, जो नेवी का एक रणनीतिक केंद्र है, यहां से यह फायरिंग एक्सरसाइज एक तरह से यह दिखाता है कि भारत समुद्री सीमा पर भी सतर्क और आक्रामक नीति अपनाए हुए है.

भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव

बता दें कि पहलगाम हमले के बाद से भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है. ऐसे में भारत अब हर तरह के जवाब की रणनीतिक तैयारी पर काम कर रहा है. यह फायरिंग एक्सरसाइज सिर्फ एक टेस्ट नहीं, बल्कि पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकी संगठनों को यह बताने का भी तरीका है कि भारत की तीनों सेनाएं मुस्तैद हैं. साथ ही यह भारतीय नौसेना की ताकत और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने का भी बेहद खास कदम है.

संकल्प से सिद्धि के तहत राज्यव्यापी पौधारोपण अभियान के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया तक अभियान

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कटरा / राजौरी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जम्मू और कश्मीर ने मोदी सरकार के संबंध में मनाए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। सरकार के 11 साल – संकल्प से सिद्धि तक "। जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा, जम्मू–कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, सांसद (लोकसभा) सभा) जुगल किशोर शर्मा, महासचिव और विधायक डॉ. देविंदर कुमार मन्याल और जिला अध्यक्ष रोहित दुबे ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कटरा में पौधारोपण किया ।

सत शर्मा ने पौधारोपण करते हुए कहा कि आज भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जम्मू–कश्मीर में बीज और पौधे रोपे हैं।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य हरियाली बढ़ाना और मोदी सरकार द्वारा किए जा रहे सतत पर्यावरणीय उपायों का समर्थन करने के लिए प्रकृति के अनुकूल प्रथाओं को अपनाना है।

उन्होंने तालाबों, कुओं और जल संसाधनों के पास सफाई अभियान, वर्षा जल संचयन और गर्मियों के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था जैसे अन्य फोकस क्षेत्रों पर भी प्रकाश डाला।

सुनील शर्मा ने कहा कि वृक्षारो`पण और स्वच्छता अभियान के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना पर्यावरण संरक्षण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार ने हरित नीतियों, जल संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और पार्टी कार्यकर्ताओं को इन पहलों के राजदूत के रूप में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने जनता से पर्यावरण संरक्षण को एक दिन की घटना के बजाय दैनिक जिम्मेदारी के रूप में लेने का भी आग्रह किया। जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि पर्यावरण आंदोलन को जन आंदोलन बनना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक परियोजनाएं लागू की हैं।

अमेरिका में थरूर को टक्कर देने चले थे बिलावल,कटा रहे पाकिस्तान की बची खुची नाक

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका सहित कई देशों में पाकिस्तान को बेनकाब किया. थरूर ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के कारनामे को दुनिया के सामने रखा. कांग्रेस का ये दिग्गज उस एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहा, जिसे भारत सरकार ने विदेश भेजा. थरूर अमेरिका वाली टीम को लीड कर रहे हैं. सरकार ने उन्हें जो जिम्मेदारी उसे उन्होंने शानदार तरीके से निभाया. अपने जवाबों से उन्होंने सामने वालों की बोलती बंद कर दी. उनको टक्कर देने के लिए पाकिस्तान ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टी को अमेरिका भेजा. वैसे भुट्टो तो पाकिस्तान का मान बढ़ाने के लिए भेजे गए थे, लेकिन उल्टा उन्होंने अपने मुल्क का मजाक बनवा दिया और बची खुची नाक भी कटवा दी. दरअसल, बिलावल भुट्टो के एक नहीं कई बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. वह अमेरिका में आतंकवादियों की आवाज बने हुए हैं. उनके बयानों का मजाक बनाया जा रहा है. अमेरिका गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा मिलिंद देवड़ा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक युवा पाकिस्तानी राजनेता अमेरिका में उन लोगों का बचाव कर रहा है जो उसकी मां की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं. बिलावल पर पाकिस्तान के फैसले पर क्या बोले थरूर? पाकिस्तान द्वारा बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजे जाने पर शशि थरूर ने कहा।

केवल समाजवादियों के खिलाफ ही कार्रवाई.... अब्बास अंसारी की विधायकी रद्द होने पर अखिलेश यादव का हमला

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की सदस्यता रद्द किए जाने के फैसले को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है. लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब्बास अंसारी की विधायकी जानबूझकर रद्द की गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई राजनी. तिक दुर्भावना से प्रेरित है और समाजवादी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है.

अखिलेश ने कहा, "भाजपा के नेता न जाने क्या-क्या भड़काऊ बातें बोलते हैं, इनके लोग क्या स्टेटमेंट दे रहे है इनके लोग डीएनए पूछ रहे है. उसकी सदस्यता क्यों नही ली जा रही है. केवल समाजवादी नेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई की जाती है."

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह न्याय सबके लिए एक समान है या जाति के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं. सपा अध्यक्ष ने न्यायपालिका की नियुक्तियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ जजों की नियुक्ति 'जातिगत सोच के आधार पर की जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है.

हेट स्पीच के मामले में विधायकी रद्द

मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी एक हेट स्पीच केस में दोषी ठहराए जाने के बाद समाप्त कर दी गई. खास बात यह रही कि इस कार्रवाई के लिए रविवार के दिन सचिवालय को खोला गया, जिससे राजनीतिक हलकों में इस कदम को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में चुनाव आयोग को भी सूचना भेज दी है. अब मऊ सीट पर उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है.

अखिलेश यादव ने इस मौके पर भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और गड़बड़ियों की आशंका है. उन्होंने जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी ताकत से इन चुनावों में उतरेगी और जनता भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए तैयार है.

अखिलेश यादव का बीजेपी पर बड़ा हमला

उन्होंने कहा कि भाजपा को कोई अच्छा काम पसंद नहीं है. हर अच्छा काम ये खराब कर देते हैं. देश का सबसे अच्छा रिवर फ्रंट था. इसको खराब करने का काम भाजपा ने किया है. सुनने में आ रहा फव्वारे चोरी हो गए है. इसीलिए हम छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस मना रहे हैं. एक-दूसरे का सम्मान करके त्योहार मनाना चाहिए. एक दूसरे के प्रति व्यवहार अच्छा करके राष्ट्र को मजबूत बना सकते हैं.

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अक्सर पीडीए के नेताओं को आगे करती है. पीडीए के नेता का नाम करके सवाल पूछवा रहे हो. कुछ लोग हमारे साथ जीते थे.

प्राइवेट स्कूलों की फीस को लेकर आप ने बीजेपी को घेरा, आतिशी ने पेरेंट्स से की मुलाकात

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : दिल्ली में प्राइवेट स्कूल की फीस रेलुगेशन को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार रेखा गुप्ता सरकार को घेर रही है. इसी के चलते बुधवार को आप पार्टी ने प्राइवेट स्कूल फीस रेगुलेशन बिल को लेकर जनता से रायशुमारी की. एक तरफ आप द्वारा बिल पर जनता की राय लेने के लिए जारी मिम.बवदेनसजं. जपवद.च/हउंपस.बवउ पर ढेरों सुझाव आ रहे हैं और दूसरी तरफ पार्टी के विधायक पेरेंट्स से मुलाकात कर उनसे सुझाव ले रहे हैं. आप पार्टी की वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा में निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के पेरेंट्स से मुलाकात कर उनसे इस मामले में सुझाव लिया. इस दौरान पेरेंट्स ने कहा कि बीजेपी सरकार ने बिल लाने से पहले हमसे कोई फीडबैक नहीं लिया. बिल के नाम पर हमें सिर्फ लॉलीपॉप दिया गया है.

आतिशी ने पेरेंट्स से की मुलाकात

इस दौरान आतिशी ने कहा कि पेरेंट्स को चिंता है कि चोर-दरवाजे से बीजेपी सरकार एक ऐसा कानून ला रही है जो उनके हित में नहीं है, बल्कि निजी स्कूलों को बचाने के लिए है. लेकिन आप इन पेरेंट्स की आवाज बनेगी. फीस कानून कैसा होना चाहिए, उसमें क्या प्रावधान हों, कैसे निजी स्कूलों पर लगाम लगाई जाए, इस पर पेरेंट्स के साथ लंबी चर्चा हुई.

वक्फ संपत्तियों के लिए उम्मीद पोर्टल लॉन्च, 6 महीने के अंदर कराना होगा रजिस्ट्रेशन

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजीजू ने शुक्रवार को न्डम्म्क पोर्टल लॉन्च किया. यह एक सेंट्रल पोर्टल है, जिस पर देशभर में मौजूद वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. इसके तहत अब सभी वक्फ प्रॉपर्टीज को 6 महीने के अंदर रजिस्ट्रेशन कराना होगा. ये पोर्टल उम्मीद' का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट के तहत बनाया गया है. मोबाइल और ईमेल प्क के जरिए इसका वर्फिकेशन होगा.

रजिस्ट्रेशन के लिए तीन लेयर मेकर दृ चेकर दृ अप्रूवर होंगे. मेकर वक्फ प्रॉपर्टी का मुतावल्ली होगा जिसे राज्यों या न्ज के वक्फ बोर्ड तय करेगा. चेकर जिला स्तर के अधिक. ारी होंगे जिसे वक्फ बोर्ड अधिकृत करेगा. प्रॉपर्टी का वेरिफिकेशन ब्म या बोर्ड की ओर से अधिकृत अधिकारी अप्रूव करेंगे.

रिजीजू ने मुसलमानों को दी बधाई

पोर्टल लॉन्च किए जाने के मौके पर किरण रिजीजू ने कहा, उम्मीद पोर्टल लॉन्च करने पर देशभर में वक्फ प्रॉपर्टीज से जुड़े और आम मुसलमानों को बधाई देना चाहता हूं. आज का ये उम्मीद पोर्टल का लॉन्च बहुत बड़ा कदम है. पीएम ने पहले भी कहा है कि आजादी के बाद देश में रिफॉर्म का काम वक्फ में हुआ है. ये करोड़ों लोगों की जिंदगी को फायदा पहुंचाने के लिए बड़ा कदम है.

उन्होंने आगे कहा, संसद से पास करने से पहले स्टेकहोल्डर्स से चर्चा हुई, जेपीसी में भेजा और सदन में रिकॉर्ड चर्चा हुई. बिल पारित करके एक्ट बना.

हमने पहले भी कहा था कि इसे लेट नहीं करेंगे और इसे जल्द लागू करेंगे. पहला इंप्लीमेंट का प्रोसेस आज शुरू हो गया है. वक्फ प्रॉपर्टीज पर कोई कब्जा ना हो और पारदर्शी तरीके से काम हो सके.

रिजिजू ने कहा, मुस्लिमों में गरीब, यतीम और विधवाओं को ये बहुत काम आएगा. वक्फ प्रॉपर्टी का मैनेजमेंट काम आने वाला है. 9 लाख प्रॉपर्टी देशभर में है. एक्ट में बहुत सारी चीज है जैसे 6 महीने में रजिस्ट्रेशन करना है.

किसी को कोई परेशानी ना हो उसका सब प्रावधान रखा गया है. सभी से अपील करूंगा कि तय की गई गाइडलाइंस के मुताबिक काम करें. समय से रजिस्ट्रेशन नहीं करेंगे तो ट्रिब्यूनल जाना पड़ेगा. लोगों को पता ही नहीं था कि देशभर में 9 लाख प्रॉपर्टी हैं जो दुनिया में हमारे पास है.

"विरोध करने वालों को लोकतांत्रिक अधिक. ार"

मंत्री ने आगे कहा, विरोध करने वालों को लोकतांत्रिक अधिकार है. विरोध राजनीतिक कारणों और जानकारी के अभाव में हो सकता है, लेकिन अब सब मिलकर काम करें. च्ड का सबका साथ सबका विकास का कार्यक्रम इसमें झलकता है. करोड़ों मुसलमान गरीबी में दबे रहेंगे जबकि इतनी संपत्ति मौजूद है. हमारी प्राथमिकता और लक्ष्य होना चाहिए। उम्मीद पोर्टल लॉन्च होने के बाद समझाने के लिए प्रोग्राम भी करेंगे.

6 महीने में करना होगा रजिस्ट्रेशन

उम्मीद पोर्टल पर 6 महीने के अंदर संपत्ति का रजिस्ट्रेशन कराना होगा. केंद्र सरकार के मुताबिक उम्मीद पोर्टल एक संवैधानिक पोर्टल है. साथ ही व्ज्च के जरिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है. तीन स्तरों पर संपत्ति का वैरिफिकेशन की जाएगी. हर एक वक्फ को 17 डीजिट की प्क दी जाएगी. साथ ही सेंट्रलाइज हेल्पलाइन जारी की जाएगी. प्ज एक्ट की धाराओं के तहत यह चलेगा.

सरकार के मुताबिक उम्मीद' पोर्टल का मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है.

क्या कांग्रेस छोड़ देंगे शशि थरूर? सांसद ने अमेरिका में दिया सवाल का जवाब

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता शशि थरूर बीते कुछ दिनों से काफी चर्चा में है. इस समय उनकी ही पार्टी के लोग उनके खिलाफ तीखे बयान दे रहे हैं. इस तरह की बयानबाजी को लेकर सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या थरूर कांग्रेस पार्टी में बने रहेंगे या फिर बीजेपी में शामिल हो जाएंगे? इसे लेकर शशि थरूर ने कहा कि वो अभी सांसद हैं और ये सवाल नहीं होना चाहिए.

दरअसल, थरूर भारत की तरफ से दुनियाभर में भेजे गए डेलीगेशन का हिस्सा हैं. वह कई देशों में जाकर भारत की आतंकवाद और पाकिस्तान को लेकर जो नीति है, उसे बता रहे हैं.

इसी बीच कांग्रेस के कई नेताओं को ऐसा लग रहा है कि वह बीज. `पी के प्रवक्ता बन गए हैं. इसी को लेकर कांग्रेस कई नेता थरूर के ऊपर निशाना साध रहे हैं.

थरूर ने कहा- सवाल उठाना ही गलत

वर्तमान समय में थरूर अमेरिका के वॉशिंगटन में हैं, जहां उनसे सवाल पूछा गया कि जिस तरह कांग्रेस पार्टी के लोग आपके ऊपर तीखे बयान दे रहे हैं, उसको लेकर सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि आप कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी में शामिल हो जाएंगे या फिर कोई अलग राजनीतिक राह चुनेंगे. इस सवाल को लेकर थरूर ने स्पष्ट रूप से जवाब देते हुए कहा कि मैं संसद का निर्वाचित सदस्य हूं, मेरे अभी 4 साल बाकी हैं, मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इस तरह का कोई सवाल उठाना चाहिए.

कांग्रेस नेताओं ने की थी आलोचना

दरअसल, जब से थरूर भारत के डेलिगेशन का हिस्सा बने हैं, तब से कांग्रेस के कुछ नेता लगातार उनपर निशाना साध रहे हैं. कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी थरूर को अपनी पार्टी का प्रवक्ता या विदेश मंत्री बना लें, क्योंकि थरूर काम तो बीजेपी के लिए ही कर रहे हैं. कांग्रेस नेता उदित राज ने थरूर पर निशाने साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें को सब कुछ दिया, लेकिन उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ बयान देकर यह स्पष्ट कर दिया कि वह कांग्रेस का हित नहीं चाहते. वहीं दूसरी तरफ पवन खेड़ा ने कहा था कि थरूर ने अपनी किताब में सर्जिकल स्ट्राइक की आलोचना की थी, लेकिन अब अलग-अलग देशों में जाकर उसी की तारीफ कर रहे हैं. उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता तक कहा गया.

'लालू यादव से हमें सीखना चाहिए...', बिहार चुनाव की हलचल के बीच प्रशांत किशोर ने क्यों की तारीफ

बिहार चुनाव के बीच प्रशांत किशोर ने लालू यादव को एक अच्छा पिता बताते हुए उन पर कटाक्ष किया. पीके ने कहा, लालू यादव को देखिए वो एक अच्छे पिता हैं, बेटा नौवीं पास नहीं हुआ, लेकिन वो चाहते हैं कि वो बिहार का राजा बने. साथ ही पीके ने कहा, हम यह कह कर लालू जी की शिकायत नहीं बल्कि तारीफ कर रहे हैं.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : बिहार विधानसभा चुनाव की हलचल के बीच जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के सारन में लोगों को संबोधित करते हुए आरजेडी के नेता लालू यादव की तारीफ की. उन्होंने लालू यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बच्चों की चिंता क्या होती है यह आपको लालू जी से सीखना चाहिए.

प्रशांत किशोर ने लालू यादव और तेजस्वी यादव पर तीखा प्रहार किया.

पीके ने कहा, लालू जी के लड़के ने नौवीं क्लास पास नहीं की, लेकिन लालू जी को अपने बच्चे की चिंता है, वो चाहते हैं कि वो बिहार का राजा बने. हम ने यह बात कही तो कुछ लोगों को लगेगा कि हम लालू जी की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन हम तो लालू जी की तारीफ कर रहे हैं. देखिए उन्हें अपने बेटे की चिंता है.

क्यों की लालू यादव की तारीफ

प्रशांत किशोर ने लालू यादव की तारीफ नहीं की बल्कि उन पर बेटे तेजस्वी यादव को लेकर कटाक्ष किया. पीके ने कहा, लालू जी इतने अच्छे बाप हैं, लड़के ने नौवीं नहीं पास की है, लेकिन चाहते हैं कि हमारा लड़का बिहार का राजा बने. आप अपनी हालत देखिए. आपके बच्चे ने मैट्रिक पास कर लिया, बीए कर लिया, लेकिन उस के लिए चपरासी की भी नौकरी नहीं है, लेकिन उसकी आपक. ो कोई चिंता नहीं है. पांच महीने के बाद चुनाव होंगे, तब खूब घर-घर चर्चा होगी लालू का लड़का बनेगा या बीजेपी बनेगी.

पीके ने आगे कहा, आपके गांव में ज्यादातर बच्चों के शरीर पर पूरे कपड़े नहीं है, आधे से ज्यादा बच्चों के पैरों में चप्पल नहीं है, सुबह से शाम हो गई लेकिन किसी गरीब का बच्चा पढ़ता हुआ नहीं मिला. आपके बच्चों के शरीर पर कपड़ा नहीं है, पैर में चप्पल नहीं है, खाने के लिए भर पेट भोजन नहीं है, बच्चा आपका बीमार पड़ जाए तो दवा, डॉक्टर और अस्पताल नहीं है, लेकिन आपको उसकी कोई चिंता नहीं है. आप जात लेकर चल रहे हैं.

पीके निकाल रहे हैं यात्रा प्रशांत किशोर इस समय बिहार में बदलाव यात्रा निकाल रहे हैं. उनकी यह यात्रा सिताब, दियारा से शुरू हुई जोकि 15 दिनों में लगभग 20 विधानसभा घूम चुके हैं. कई सभाएं कर चुके हैं. अपनी सभाओं के दौरान पीके लालू यादव, तेजस्वी यादव के साथ-साथ नीतीश कुमार और बीज. ेपी को भी घेर रहे हैं. बिहार चुनाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है. इसी बीच बिहार में लोगों का पसंदीदा सीएम फेस कौन है इसको लेकर एक सर्वे हुआ. इंडिया टुडे के सी वोटर ने यह सर्वे किया. इस सर्वे में सामने आया कि सबसे ज्यादा तादाद में लोग तेजस्वी यादव को सीएम फेस के रूप में पसंद करते हैं.

बिहार : बदल रही गांवों की तस्वीर... अब तक 1843 सड़कें और 852 पुल तैयार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बिहार सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और पुल निर्माण को प्राथमिकता दी है. पिछले एक दशक में इसमें अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की गई है. ग्रामीण क्षेत्रों की सर्वांगीण प्रगति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने ग्रामीण अवरसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के अंतर्गत सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को तेजी से क्रियान्वित किया है. इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 991 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है. ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार के अनुसार राज्यभर में 2024 ग्रामीण सड़कों (5250.62 किमी) और 1211 पुलों के निर्माण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी. इनमें से अब तक 1843 सड़कों (4818.36 किमी) तथा 852 पुलों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है. यह आंकड़े राज्य के ग्रामीण संपर्क ढांचे में हो रहे क्रांतिकारी बदलाव को दर्शाते हैं.

प्रमंडलवार स्थिति निम्नानुसार है- पटना प्रमंडल के अंतर्गत पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिलों में कुल 542 सड़कों और 191 पुलों की स्वीकृति दी गई थी. इनमें अब तक 493 सड़कों और 159 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ.

तिरहुत प्रमंडल के अंतर्गत मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, वैशाली, सीतामढ़ी एवं शिवहर जिलों में कुल 301 सड़कों और 210 पुलों की स्वीकृति दी गई, जिनमें से 266 सड़कों और 152 पुलों का कार्य पूरा हो चुका है. पूर्वी चंपारण में सर्वाधिक 96 सड़कों और 41 पुलों का निर्माण कार्य संपन्न हुआ है, जबकि मुजफ्फरपुर में 52 सड़कों और 16 पुलों का काम पूर्ण हुआ. सारण प्रमंडल के सारण, सिवान और गोपालगंज जिलों में कुल 125 सड़कों और 55 पुलों में 117 सड़कों और 42 पुलों का कार्य पूरा हो चुका है. पूर्णिया प्रमंडल में पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज जिलों में 106 सड़कों और 282 पुलों में 102 सड़कों और 148 पुलों का निर्माण संपन्न हो चुका है. किशनगंज में सभी 21 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है. भागलपुर प्रमंडल के भागलपुर और बांका जिलों में 49 सड़कों और 28 पुलों में 46 सड़कों और 24 पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. मगध प्रमंडल के गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा और अरवल जिलों में कुल 265 सड़कों और 109 पुलों की

कोरोना की रफ्तार ने बढ़ाई चिंता, नोएडा में 7 से 9 जून तक धारा-163 लागू

देश में कोरोना वायरस की रफ्तार धीरे-धीरे डराने वाली होती जा रही है. दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में भी वायरस लोगों की चिंता बढ़ा रहा है. इसे देखते हुए जिले में बीएनएस की धारा-163 लगाई गई है, जो कि 7 जून से 9 जून तक प्रभावी रहेगी.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

देश में कोरोना वायरस की रफ्तार धीरे-धीरे डराने वाली होती जा रही है. देश में सक्रिय मामलों की संख्या 5 पार कर गई है. देश की राजधानी दिल्ली में भी संक्रमण के मामले आ रहे हैं. दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में कोरा. ेना कोरोना वायरस लोगों की चिंता बढ़ा रहा है. पिछले 24 घंटे में 32 नए मामले दर्ज किए गए हैं. जिले में कुल मरीजों की संख्या 190 हो गई है. एक संक्रमित की मौत भी हो चुकी है. कोरा. ेना की रफ्तार को देखते हुए जिले में बीएनएस की धारा-163 लगाई गई है, जो कि 7 जून से 9 जून तक प्रभावी रहेगी. इस दौरान किसी प्रकार का धरना प्रदर्शन नहीं हो सकेगा. किसी प्रकार का जुलूस नहीं निकाला जा सकेगा. बिना अनुमति के 5 या उससे अधिक लोग एक साथ एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकते हैं.

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में सक्रिय मामलों की संख्या 5 हजार के पार हो गई है. इसमें केरल सबसे अधिक प्रभावित है. इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और फिर दिल्ली है. बढ़ते मामलों को देखते हुए कोविड-19 के लिए सुविधा-स्तर की तैयारियों की जांच के लिए मॉक ड्रिल की जा रही है.

सभी राज्यों को ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और जरूरी दवाओं की उपलब्धता तय करने का निर्देश दिया गया है. पिछले 24 घंटे में चार लोगों की मौत

फिलहाल देश में 5 हजार 364 सक्रिय मामले हैं. पिछले 24 घंटे में चार लोगों की मौत भी हुई है. ज्यादातर मामलों में संक्रमितों का घर पर ही इलाज चल रहा है. इस साल जनवरी से अब तक कुल 55 मौतें हो चुकी हैं. बता करें नोएडा की तो जिले में बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है.

स्वास्थ्य विभाग की लोगों से अपील

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मास्क लगाएं, सामाजिक दूरी बनाए रखें और समय-समय पर हाथ धोने जैसे नियमों का पालन करें. इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने कोविड टेस्टिंग और वैक्सीनेशन बढ़ाने पर भी जोर दिया है. ताकि स्थिति को कंट्रोल किया जा सके. स्वास्थ्य विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाने का फैसला लिया है. अब प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जांच की व्यवस्था की जा रही है.

एसीएमओ डॉक्टर टीकम सिंह ने बताया, जिले में 32 और लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है. अब कुल मरीजों की संख्या 190 हो गई है. इनमें 79 पुरुष और 111 महिलाएं हैं. इस समय अस्पताल में 3 मरीज भर्ती हैं. साढ़े तीन महीने की बच्ची की मौत हुई है. इस साल कोरा. ेना से यह पहली मौत है. बच्ची का इलाज दिल्ली के चाचा नेहरू अस्पताल में चल रहा था. उसकी मौत एक हफ्ते पहले हुई थी. पोर्टल पर जानकारी आने के बाद स्वास्थ्य विभाग परिजनों से संपर्क कर रहा है.

सीमा पार से हथियार तस्करी में संलिप्तता के आरोप में 2 लोग गिरफ्तार, हथियार बरामद

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सीमा पार से हथियारों की तस्करी में कथित रूप से श्सक्रिय रूप से शामिलश दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्एक बड़ी सफलता में, काउंटर इंटेलिजेंस, अमृतसर ने दो व्यक्तियों, सुखचैन सिंह और जुगराज सिंह को गिरफ्तार किया, जो सीमा पार से हथियारों की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल थे और आठ हथियार बरामद किए।

उन्होंने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, गुर्गों को पाकिस्तान स्थित तस्कर नूर से अवैध हथियारों की खेप ले जाते समय रोका गया।

उनके पास से तीन ग्लॉक 9 मिमी पिस्तौल, चार पीएक्स5 पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल बरामद की गई।

डीजीपी ने आगे बताया कि राज्य विशेष ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, और अतिरिक्त संचालकों की पहचान करने और तस्करी नेटवर्क की पूरी सीमा को उजागर करने के लिए जांच चल रही थी।

उन्होंने कहा, /च्नदरंइच्वसपबमप्दक ऐसे मॉड्यूल को बेअसर करने और राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान को फिर मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार बीएसएफ, डीआईजी बोले- बॉर्डर पर जवान सतर्क

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में घायल हुए जवानों के अस्पताल से वापस आने पर बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि वे किसी भी दुस्साहस की स्थिति में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए एक बार फिर तैयार हैं. उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमाओं की बेहतरीन तरीके से रक्षा कर रहा है और जब तक बल सीमाओं पर तैनात है, किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है. बीएसएफ डीआईजी प्रभाकर जोशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को एक महीने से अधिक समय हो गया है. हमारे बल के जो जवान घायल हुए थे, वे अब अस्पताल से वापस आ गए हैं. सीमा सुरक्षा बल का मनोबल बहुत ऊंचा है. पाकिस्तान से बदला लेने के लिए तैयार उन्होंने कहा कि घायल हुए जवान अस्पताल से वापस आ गए हैं और एक बार फिर पाकिस्तान से बदला लेने के लिए तैयार हैं. इस बार, वे पाकिस्तान की किसी भी नई हरकत का सामना करने और मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पहले की तुलना में दोगुनी ताकत के साथ तैयार हैं, ऐसा जवाब जो उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक दर्दनाक रूप से याद रखेगा.

पाकिस्तान की गोलाबारी का करारा जवाब

उन्होंने जवानों की प्रशंसा की और कहा कि ये वही बहादुर बीएसएफ जवान हैं, जिन्होंने 7–10 मई तक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की गोलाबारी का करारा जवाब दिया था. उन्होंने कहा कि वे फिर से ड्यूटी के लिए तैयार हैं. हमारा जवाब इतना जोरदार था कि पाकिस्तान की आने वाली पीढ़ियां इसे याद रखेंगी. भारत कम बोलता है, जोरदार हमला करता है. डीआईजी ने कहा कि बीएसएफ ने सीमा पर पूरी ताकत से जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि बीएसएफ की एक भी चौकी नहीं हटाई गई है और यहां तक कि बाड़ के पार की चौकियां भी मजबूती से डटी हुई हैं. सुरक्षा के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि सीमा पर गश्त पूरी सतर्कता के साथ की जा रही है और चौकियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है.

बीएसएफ सीमाओं पर डटी

उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल सीमाओं की बेहतरीन तरीके से रक्षा कर रहा है और जब तक बीएसएफ सीमाओं पर डटी हुई है, किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है. डीआईजी ने कहा कि देश को पूरा भरोसा है कि उसके बहादुर सुरक्षा बल प्रभावी तरीके से जवाब देंगे और पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह अपने जीवनकाल में कभी नहीं भूल पाएगा. उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने अपने दुस्साहस को दोहराने की हिम्मत की तो हमारे बल एक बार फिर करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. घायल हुए चार अधिकारी अपनी ड्यूटी पर लौट आए हैं और उन्होंने अपनी चौकियों पर सेवा करने के लिए उच्च मनोबल व्यक्त किया है. ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक पैर में गंभीर चोट लगने से घायल हुए बीएसएफ के सब–इंस्पेक्टर व्यास देव ने कहा कि उन्हें बड़ी विकलांगता का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपना हौसला नहीं खोया है. उन्होंने कहा कि आज भी हम सीमा पर वापस लौटने और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं.

मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार

पोस्ट पर बम हमले में अपने दो साथियों को खोने वाले देव ने कहा कि यही साहस है जो देश के सुरक्षा बलों की पहचान है. हमें इस पर गर्व है.

बेंगलुरू भगदड़ मामला : केएससीए को कर्नाटक हाई कोर्ट से बड़ी राहत, अधिकारियों की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कर्नाटक हाईकोर्ट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को बड़ी राहत दी है. केएससीए के अध्यक्ष रघु राम भट और अन्य पदाधिकारियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर फिलहाल दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है. अदालत ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक अधिकारियों के खिलाफ कोई गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी.

दरअसल, गुरुवार को पुलिस ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरस. ीबी), इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और केएससीए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी.

इसके खिलाफ केएससीए ने शुक्रवार को हाईकोर्ट का रुख किया और एफआईआर रद्द करने की मांग की. संघ ने दलील दी कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन इसमें उनकी कोई सीधी जिम्मेदारी नहीं है.

जानें क्या है मामला?

यह भगदड़ बुधवार शाम को बेंगलुरु स्थित एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उस समय मच गई, जब बड़ी संख्या में लोग रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल 2024 की जीत का जश्न मनाने के लिए जमा हुए थे. सीमित संख्या में प्रवेश पास होने के बावजूद भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में बदल गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 56 लोग घायल हो गए.

एलओसी पार करने वाली महिला के मोबाइल में मिले पाकिस्तानी ऐप्स, फोन को किया था रिसेट

एलओसी पार कर पाकिस्तान पहुंची महाराष्ट्र की सुनीता जामगड़े के फोन में दो पाकिस्तानी ऐप्स और दो पाकिस्तानी नागरिकों के नंबर मिले हैं. जिसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है. वह कारगिल के हुंदरमन गांव से पाकिस्तान में घुसी थी.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

महाराष्ट्र के नागपुर में रहने वाली सुनीता जामगड़े कुछ दिन पहले स्वछ पार कर पाकिस्तान पहुंच गई थी. पाकिस्तान से लौटने के बाद उसे आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया था. अब इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है.

जांच में पता चला कि महिला व्यापार को लेकर पाकिस्तानी नागरिकों से बात करती थी. व्यापार के अलावा वह कुछ संवेदनशील मुद्दों पर भी बात करती थी. महिला के फोन में दो पाकिस्तानी ऐप्स भी मिले हैं, जिनके स्पाइवेयर होने का संदेह है. मामला संवेदनशील होने की वजह से एनआईए भी इस मामले पर नजर बनाए हुए है.

बेटे को होटल छोड़कर गई थी पाकिस्तान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला 4 मई को अपने 13 वर्षीय बेटे के साथ अपने घर नागपुर से निकलकर कारगिल पहुंची थी. वहां उसने अपने बेटे को एक होटल में छोड़ दिया. जिसके बाद वह कारगिल के हुंदरमन गांव में गई, जहां से वह स्वछ पार कर पाकिस्तान में घुसी थी. पुलिस ने बताया कि जैसे ही उसने सीमा पार की पाकिस्तानी सेना ने उसे हिरासत में ले लिया और बाद में उसे भारतीय अधिका. रियों को सौंप दिया.

पाकिस्तानी व्यक्तियों के संपर्क में थी महिला

अधिकारियों ने बताया कि महिला के फोन की जांच करने पर पता चला कि महिला दो पाकिस्तानियों व्यक्तियों से बात करती थी, जिनकी पहचान जुल्फिकार और पास्टर के रूप में हुई है.

अधिकारियों ने कहा पहले इन व्यक्तियों से महिला व्यापार संबंधी मुद्दों पर बात करती थी, लेकिन बाद में संवेदनशील मुद्दों पर भी बात करने लगी थी. महिला ने पकड़े जाने से पहले अपने फोन को रिसेट कर दिया था, जिसकी वजह से अधिकारियों को डाटा इकट्ठा करने में समय लग रहा है.

पुलिस ने कहा अभी भी जांच जारी

कपिल नगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को महिला के फोन में पाकिस्तानी ऐप्स मिले है. जिनके स्पाइवेयर होने का संदेह है. उन्होंने कहा कि इन ऐप्स को लेकर जांच की जा रही है ताकि इनके उद्देश्यों का पता चले. इसके अलावा अधिकारी यह भी जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उस महिला के साथ ऐसा कोई व्यक्ति था जिसने महिला को पाकिस्तान भेजने में मदद की हो.

कोई भ्रम नहीं... राज ठाकरे से गठबंधन के सवाल पर उद्धव का बड़ा बयान

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

राज ठाकरे की पार्टी से उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले दल के गठबंधन की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं. इन सब के बीच उद्धव ठाकरे से जब आज पूछा गया किराज ठाकरे उद्धव ठाकरे गठबंधन करेंगे क्या? तो इस सवाल पर उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान आया.

उन्होंने कहा कि जो महाराष्ट्र के दिल में है, वो होगा. मेरे और हमारे शिवसैनिकों के मन में दिल में कोई भ्रम नहीं है. उनके (एमएनएस) मन में भी कोई भ्रम नहीं है. हम कोई संदेश नहीं, सीधे खबर देंगे. उद्धव ठाकरे के इस बयान के राजनीतिक अर्थ निकाले जाने लगे हैं.

दो दशक बाद साथ आने की अटकलें

वहीं, आज महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना यानी राज ठाकरे की पार्टी के नेता अमित ठाकरे ने कहा कि गठबंधन मीडिया में बयान देकर नहीं होते. अमित के मुताबिक राज और उद्धव ठाकरे को किसी भी तरह के गठबंधन से पहले एक दूसरे से बातचीत करना चाहिए.

ये सारी बयानबाजी एक ऐसे समय में हो रही है जब राज ठाकरे और और उद्धव ठाकरे के बीच एक सुलह की बातचीत हो रही है.

कई सारे ऐसे बयान हैं जिनसे ऐसे इशारे मिल रहे हैं कि दोना. ` भतीजे उलझाऊ मुद्दों को किनारे रख दो दशक के बाद एक साथ आ सकते हैं.

साथी अभियान : लालपोरा, सोगाम तहसीलों में अंतरविभागीय समन्वय बैठकें आयोजित की गई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

कुपवाड़ा : साथी अभियान (आधार के लिए सर्वेक्षण और ट्रैकिंग और समग्र समावेश तक पहुंच) के संरचित रोलआउट के हिस्से के रूप में, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) कुपवाड़ा के तत्वावधान में और संबंधित तहसीलदारों की देखरेख में, लालपा. `रा और सोगाम की तहसीलों में आज समन्वित बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में सभी संबंधित विभागों और क्षेत्र–स्तरीय हितधारकों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जिन्हें अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में निराश्रित, अनाथ, परित्यक्त और गैर–दस्तावेजित बच्चों की पहचान और सहायता के लिए आवश्यक माना गया।

भाग लेने वाली एजेंसियों में आईसीडीएस/सीडीपीओ के अधिकारी, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग, डीएलएसए कुपवाड़ा के पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि शामिल थे।

कार्यवाही के दौरान, तहसीलदार सोगाम और तहसीलदार लालपोरा ने सभी हितधारक. ों को स्पष्ट निर्देश जारी किए, जिसमें अंतर–विभागीय तालमेल, जवाबदेही और सक्रिय क्षेत्रीय सहभागिता के महत्व पर बल दिया गया। उन्होंने सर्वेक्षण को दक्षता, सटीकता और सहानुभूति के साथ संचालित करने की अनिवार्यता को रेखांकित किया, जो कि साथी पहल के मूल उद्देश्य – सार्वभौमिक आधार नामांकन सुनिश्चित करना और जरूरतमंद प्रत्येक बच्चे के लिए कानूनी अधिकारों तक पहुंच सुनिश्चित करना – के अनुरूप है।

सभी विभागों को तत्काल क्षेत्र स्तर पर कार्रवाई शुरू करने, अपनी–अपनी तहसील `।ाज्म् इकाइयों के साथ समन्वित संचार बनाए रखने तथा डीएलएसए को नियमित प्रगति अद्यतन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

इस संबंध में एक सार्वजनिक परामर्श भी जारी किया गया, जिसमें आम जनता से सर्वेक्षण टीमों के साथ सहयोग करके अभियान का समर्थन करने का अनुरोध किया गया। जिन व्यक्तियों को पता है कि कोई बच्चा कानूनी पहचान से वंचित है, या उसे देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता है, उन्हें ऐसे मामलों की सूचना संबंधित तहसील साथी समिति या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुपवाड़ा को ईमेल : kupdl-sa@gmail-com और फोन नंबरः 9103010740 पर देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथी अभियान प्रत्येक बच्चे के अधिकार और सम्मान को बनाए रखने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।

जाविद डार ने शोपियां व पुलवामा में प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत का आश्वासन दिया

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार ने आज शोपियां जिले के ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों और पुलवामा में आग से क्षतिग्रस्त फल और सब्जी मंडी का व्यापक दौरा किया।

स यात्रा का उद्देश्य क्षति की सीमा का आकलन करना तथा प्रभावित किसानों और व्यापारियों को शीघ्र राहत और सहायता सुनिश्चित करना था।

हाल ही में हुई ओलावृष्टि के कारण शोपियां के कई गांवों, जिनमें वादीपोरा, रेशीपोरा, द्रावानी, वुयान, बंदपावा, हंडेव, नागबल, धोबीपोरा, दाचेव, वारपोरा, गुंडी दरवेश और हुशनपोरा शामिल हैं, में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। प्रभावित किसानों से बातचीत करते हुए मंत्री ने संबंधित क्षेत्र अधिकारियों को नुकसान का गहन आकलन करने और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

भारत ने बनाया पनडुब्बियों से लड़ने वाला स्वदेशी योद्धा, नौसेना को जल्द मिलेगा नया ताकतवर युद्धपोत 'आईएनएस अर्णाला'

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

भारतीय नौसेना 18 जून 2025 को अपना नया युद्धपोत ष्आईएनएस अर्णाला शामिल करने जा रही है. यह जहाज खासतौर पर पनडुब्बियों से लड़ने के लिए बनाया गया है.

इसे विशाखापत्तनम के नेवल डॉकयार्ड में एक खास समारोह में कमीशन किया जाएगा. इस मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान मुख्य अतिथि होंगे.

अर्णाला ऐसा पहला जहाज है, जो शैलो वॉटर क्राफ्ट यानी उथले पानी में काम करने वाले पनडुब्बी रोधी जहाजों की सीरीज का हिस्सा है.

कुल 16 ऐसे जहाज बनाए जा रहे हैं. इसे कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने एलएंडटी शिपबिल्डर्स के साथ मिलकर तैयार किया है.

यह जहाज आत्मनिर्भर भारत अभियान का बड़ा उदाहरण है, क्योंकि इसमें 80ः से ज्यादा हिस्से देश में ही बनाए गए हैं. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, महिंद्रा डिफेंस, एलएंडटी और डम्प्स जैसी कई भारतीय कंपनियों ने इसके निर्माण में योगदान दिया है. इसके साथ ही 55 से ज्यादा छोटी और मझोली भारतीय कंपनियों को भी इस प्रोजेक्ट से फायदा मिला है.

देश की सुरक्षा में तैनात टेरिटोरियल आर्मी आखिर क्यों पहुंची यमुना किनारे? जानें वजह

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

श्रीनगर : टेरिटोरियल आर्मी देश की आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे मिशन के लिए जानी जाती है. इसी टेरिटोरियल आर्मी ने शुक्रवार को दिल्ली के कालिंदी कुंज पार्क में बड़ा कार्यक्रम रखा, जो कि विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर था. कार्यक्रम का आगाज सैन्य बैंड प्रदर्शन के साथ हुआ. इस कार्यक्रम के जरिए स्वच्छता का अनूठा संदेश दिया गया. वेस्ट मैनेजमेंट पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया. लोगों ने इस नाटक को खूब सराहा.

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण घोड़ों की अनूठी वॉकथॉन थी. इसके जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. टेरिटोरियल आर्मी के जवानों और लोगों ने यमुना नदी के किनारे–किनारे चलते हुए प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने की जरूरत पर जोर दिया. कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए पौधे भी लगाए. इसका मकसद क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देना और प्रदूषण को कम करना है.

यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है. भारतीय सेना की इस पहल से लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है. कार्यक्रम का समापन यमुना नदी के तट पर पौधरोपण अभियान के साथ हुआ.

लोगों के लिए एक मॉडल है सेना का ये प्रयास

पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के प्रयास दूसरों के लिए अनुसरण करने के लिए एक मॉडल के रूप में काम करते हैं. पौधरोपण, नदी पुनरुद्धार और वेस्ट मैनेजमेंट में टेरिटोरियल आर्मी की पहल से लोगों और सरकारी अधिकारियों को पर्यावरण की रक्षा के साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने की प्रेरणा मिलने की उम्मीद है.

मोदी सरकार के 11 साल प्रगति, समानता और गरिमा के नए भारत का प्रतीक हैं : कविंदर

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : वरिष्ठ भाजपा नेता कविंदर गुप्ता ने आज केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने पर इसकी उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अवधि भारत के लिए एक ऐतिहासिक चरण है, जिसमें परिवर्तनकारी विकास, मजबूत शासन और सभी नागरिकों के कल्याण पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया गया है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में बोलते हुए कविंदर गुप्ता ने बताया कि सत्ता संभालने के बाद से मोदी सरकार ने समाज के हर वर्ग के उत्थान के उद्देश्य से कई पहल की हैं और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया है। इन नीतियों ने बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण सुधार लाए हैं। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और उज्ज्वला योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जिन्होंने लाखों लोगों को सशक्त बनाया है और पूरे देश में लोगों के जीवन को बदल दिया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने विशेष रूप से बताया कि मोदी सरकार की नीतियों ने जम्मू–कश्मीर पर किस तरह सकारात्मक प्रभाव डाला है, विकास को गति दी है और क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए रास्ते खोले हैं। कविंदर ने राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया, जिसने वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि रणनीतिक बुनियादी ढांचे के विकास और किसाना. `और छोटे व्यवसायों के लिए बढ़े हुए समर्थन ने देश की अर्थव्यवस्था और लचीलेपन को मजबूत किया है। इस अवसर पर बोलते हुए कविंदर गुप्ता ने कहा, मोदी सरकार की 11 साल की यात्रा दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है।

इसने सफलतापूर्वक एक नया भारत बनाया है जो सभी नागरिकों के लिए प्रगति, समानता और सम्मान की आकांक्षा रखता है।ष् उन्होंने उम्मीद जताई कि समावेशी विकास और विकास पर सरकार का ध्यान आने वाले वर्षों में और तेज होगा, जिससे देश के हर कोने में समृद्धि आएगी।

कविंदर गुप्ता ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर अपने प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ष्यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि मोदी सरकार की नीतियों का लाभ जम्मू–कश्मीर के हर कोने तक पहुंचे। ष्हमारा ध्यान पार्टी के आधार को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि विकास की कहानी हर घर तक पहुंचे।

बैठक में उपस्थित लोगों में नरेश सिंह जसरोटिया, जिला अध्यक्ष जम्मू दक्षिण, कुलबीर चाड़क, महासचिव और प्रेरणा नंदा शामिल थे।

संकल्प से सिद्धि के तहत बैठक का आयोजन किया बारामूला में तक, पौधारोपण अभियान का शुभारंभ

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बारामुल्ला : बीजेपी ने श संकल्प से सिद्धि श कार्यक्रम का आयोजन किया प्रधानमंत्री मोदी के परिवर्तनकारी शासन के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बारामूला के डाक बंगले में श तक श बैठक

नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत इस बैठक का आयोजन किया। मोदी के परिवर्तनकारी और दूरदर्शी शासन की सराहना की।

इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और जिला पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पार्टी के समावेशी विकास और सुशासन के मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में ष्एक भारत एक ... एक पीईडी मां के नाम ़ मातृत्व के प्रति सम्मान और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अभियान का शुभारंभ भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल और भाजपा उपाध्यक्ष और विधायक शाम लाल शर्मा, जो उत्तरी कश्मीर के प्रभारी भी हैं , ने संयुक्त रूप से किया।

अपने संबोधन में अशोक कौल ने बूथ स्तर पर पौधारोपण अभियान के महत्व पर जोर दिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ लेने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण जागरूकता और पार्टी के प्रचार–प्रसार दोनों को बढ़ावा देने में जमीनी स्तर पर भागीदारी की भूमिका को रेखांकित किया।

शाम लाल शर्मा ने उत्तर कश्मीर के लोगा. ` की उनके निरंतर समर्थन के लिए प्रशंसा की तथा जमीनी स्तर पर विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नेताओं में एमएम वार, अनवर खान, डॉ. फरीदा , आरिफ राजा, जीएम मीर, मुदासिर शामिल थे। वानी , साजिद यूसुफ शाह, श्री साहिल बशीर भट , बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र के जिला अध्यक्ष घ हसन डार, बांदीपोरा मुदस्सिर फारूक जान, कुपवाड़ा रफीक शाह, पूर्व जिला अध्यक्ष, और कई वरिष्ठ पार्टी नेता हलीमा बेगम , जाविद कुरेशी , मुश्ताक मीर, राजा वकार , हरजीत सिंह ड्यूक, फारूक अहमद मलिक ।

बैठक में पार्टी गतिविधियों की समीक्षा, बूथ स्तर की रणनीतियों को मजबूत करने तथा उत्तरी कश्मीर में आगामी संगठनात्मक पहलों की तैयारी के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

भाजपा नेतृत्व ने " संकल्प से सिद्धि " के विजन को आगे बढ़ाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक नागरिक के कल्याण और सशक्तिकरण की दिशा में काम करना जारी रखने का संकल्प दोहराया।

बेंगलुरू ने अपनी छवि खो दी, भगदड़ पर भाजपा राजनीति कर रही है : डीके शिवकुमार

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

बेंगलुरु : कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार गुरुवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ के कारण हुई जानों की हानि पर भावुक हो गए और कहा कि 11 लोगों की जान लेने वाली इस घटना के कारण बेंगलुरु की छवि खराब हुई है। विपक्ष के इस आरोप पर कि पुलिस ने समारोह की अनुमति नहीं दी थी, उन्होंने कहा, ष्मैं इनमें से किसी भी भाजपाई पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मैं केवल कर्नाटक और देश के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं। सभी भाजपाई बकवास हैं... वे इन गंदी चीजों के मास्टरमाइंड भी हैं। उन्होंने विपक्षी भाजपा और जद (एस) पर शवों पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य सरकार ने घटना की पूरी जिम्मेदारी ली है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्हमें बहुत दुख हुआ है। पीड़ित हमारे अपने परिवार के लोग हैं। कर्नाटक की छवि, बेंगलुरु की छवि...हां हम इसकी (जिम्मेदारी) लेते हैं। हम दूसरों को दोष नहीं दे रहे हैं, हालांकि यह बहुत अप्रत्याशित रूप से हुआ है। किसी ने इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं की थी। 18 साल (आरसीबी की जीत के लिए इंतजार) के बाद, मुझे नहीं पता कि युवाओं में क्या उबाल था और वे सभी आ गए। यह बहस का विषय है... चीजें हुई हैं।

उन्होंने कहा, ष्अब हम भी दुख में शामिल हों। हम मृतक का सम्मान करना चाहते हैं। मेरे मुख्यमंत्री भी सदमे में हैं, मेरे गृह मंत्री भी सदमे में हैं और पूरा राज्य सदमे में है। पूरा राज्य इस पर शोक मना रहा है। बोलते समय वह भावुक हो गए और कहा कि घटना में मारे गए सभी लोग परिवार के सदस्य हैं और सरकार को इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं थी।

जब उन्हें बताया गया कि वह भावुक हो गए हैं, तो उन्होंने कहा, ष्देखिए, बेशक यह सब परिवार के सदस्यों के बारे में है...हमने कभी इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं की थी। कर्नाटक की छवि, बेंगलुरु की छवि खराब हो गई है...परिवारों की छवि खराब हो गई है।ष्

एक महिला द्वारा अपने बेटे के शव का पोस्टमार्टम न करने के अनुरोध पर उन्होंने कहा, ष्भगदड़ में मारे गए एक बच्चे की माँ ने कहा कि कृपया पोस्टमार्टम न करें, शव मुझे दे दें। हम यह कैसे कर सकते हैं? हमें एक कानूनी...(रास्ता) अपनाना होगा। क्योंकि कल कुछ हो सकता है और (सवाल उठेंगे) कि क्या यह सही तरीके से किया गया था? चाहे वह दुर्घटना थी, चाहे किसी ने उस पर मुहर लगाई हो या उसे चाकू मारा हो, इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारियों से आनी चाहिए। पोस्टमार्टम होने पर ही हमें पता चलेगा,ष् उन्होंने कहा।

घटना के बाद स्टेडियम के अपने दौरे को याद करते हुए उन्होंने कहा, ष्मैंने सिर्फ गेट चेक किए..कितने गेट थे, बहुत सारे मुद्दे थे...मुझे लगता है कि मजिस्ट्रेट निश्चित रूप से इस पर गौर करेंगे। हम इस मामले में बहुत गंभीर हैं।ष्

उन्होंने कहा कि उनकी राष्ट्रीय पार्टी भी इस मुद्दे को लेकर बहुत चिंतित है। हम इसका समाधान निकालने की कोशिश करेंगे।

उसकी बॉडी को टुकड़ों में मत काटो३... बेंगलुरू भगदड़ में गई इकलौते बेटे की जान, बाहर आ गया पिता का दर्द

बेंगलुरू में आरसीबी के जश्न में शामिल होने के लिए मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई. इसी बीच एक पिता ने बताया कि उन्होंने इस भगदड़ में अपने इकलौते बेटे को खो दिया है. पिता ने प्रशासन से अपील की के उनके बेटे की बॉडी को बिना पोस्टमार्टम के उन्हें वापस कर दिया जाए.

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम इस समय सुर्खियों में बना हुआ है, इसकी वजह सिर्फ ष्प्ष् में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत नहीं है, बल्कि वो दर्द भरी तस्वीर है जो सभी के सामने आई है. बुधवार को जब 18 साल बाद आरसीबी ने आईपीएल का खिताब हासिल किया तो इसी के सम्मान में स्टेडियम में जश्न मनाया जा रहा था, लेकिन इस बीच वहां पर भगदड़ मच गई और 11 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई घायल हो गए हैं. इस भगदड़ में एक शख्स ने अपने बेटे को खो दिया. उनके आंसू और दर्द बयान कर रहे हैं कि उनकी जिंदगी में यह दर्द कितना बड़ा है. आंसुओं के साथ वो अपने बेटे की बॉडी बिना पोस्टमार्टम किए मांग कर रहे हैं.

पिता ने बयान किया दर्द

पिता ने कहा, उसकी बॉडी का पोस्टमार्टम मत करो, मुझे उसकी बॉडी दे दो, उसकी बॉडी को टुकड़ों में मत काटना. अपने एक इकलौते बेटे को खो चुके पिता ने आंसुओं के साथ कहा, मेरा एक ही बेटा था और आज मैंने उसे भी खो दिया. वो यहां मुझे बिना बताए आया था. अब सीएम और डिप्टी सीएम यहां आएंगे , दौरा करेंगे लेकिन मेरे बेटे को कोई वापस नहीं ला सकता है.

अफवाह से मची भगदड़

इंडियन प्रीमियर लीग में 18 साल बाद आरस. `बी (रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु) की पहली जीत का जश्न मनाने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी, क्रेजी क्रिकेट फैंस अपनी टीम के जीत के जश्न में शामिल होने के लिए जुट गए. इसी बीच फ्री टिकट की अफवाह फैल गई और यह एक अफवाह बड़े हादसे की वजह बनी.

अंदर जश्न चलता रहा और बाहर हालात बद से बदतर हो गए.

बड़ी तादाद में लोग इकट्ठा हो गए और भीड़ को काबू करना मुश्किल हो गया. भीड़ में से कुछ लोग अंदर जाने की कोशिश करने लगे और चीजें खराब होती चली गई.

सीएम ने जांच के दिए आदेश

इस भगदड़ में जहां 11 लोगों की मौत दर्ज की गई है वहीं कई लोग घायल भी हो गए हैं. कई लोग बेहोश हो गए और इसी के बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया.

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस भगदड़ की जांच के आदेश दिए हैं. जांच की जाएगी कि भगदड़ किस वजह से हुई. 15 दिन में रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है.

कार्यक्रम स्थल पर भीड़भाड़ के लिए माफी मांगते हुए डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि प्रोग्राम को शोर्ट रखने के लिए हर तरह की कोशिश की गई थी. उन्होंने आगे कहा, "युवा भीड़" को कंट्रोल करने के लिए अधिकारी उन पर लाठियों का इस्तेमाल नहीं कर सकते.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बेंगलुरु हादसे पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा, इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगा. ` के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द ही स्वस्थ हो जाए.

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों के 32 जगहों पर एनआईए की छापेमारी, 2018 में मारे गए लश्कर आतंकी के घर भी रेड

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के कई जिलों के कई इलाकों में छापेमारी की है. आतंकी साजिश रचने के मामले जांच के तहत एजेंसी की ओर से शोपियां, कुलगाम, कुपवाड़ा, सोपोर और बारामूला के कई इलाकों में छापेमारी की जा रही है. जांच एजेंसी ने यहां 2018 में मारे गए लश्कर के आतंकी के घर के साथ–साथ करीब 32 ठिकानों पर छापेमारी की.

एजेंसी से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकी साजिश रचने के मामले की जांच को लेकर कई जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की है. शोपियां जिले में कई स्थानों पर छापेमारी चल रही है. इसी तरह दक्षिण कश्मीर के पुलवामा, कुलगाम और सोपा. `र के साथ–साथ बारामूला में भी छापेमारी की जा रही है.

एनआईए ने बताया कि जम्मू–कश्मीर में 32 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है. अलग–अलग आतंकवादी संगठनों के ओवर ग्राउंड वर्कर के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के मामले में तलाशी ली जा रही है.

दो बच्चों के पिता, 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति... कहानी 65 साल के पिनाकी की जिन्होंने महुआ से की शादी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर सीट से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजू जनता दल के नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है. यह शादी पिछले महीने 30 मई को जर्मनी में हुई है. पिनाकी ओडिशा के पुरी सीट से लोकसभा के सांसद रह चुके हैं.

सांसद रहने के दौरान ही महुआ और पिनाकी के बीच नजदीकियां बढ़ी. पिछले साल दोनों डेट पर लंदन गए थे, जहां की एक तस्वीर खूब वायरल हुई थी.

ओडिशा की राजनीति में पिनाकी मिश्रा की एक मजबूत पहचान है. पिनाकी मिश्रा पुरी सीट से सांसद रह चुके हैं. एक वक्त में उनके डिप्टी स्पीकर बनने की भी चर्चा थी. पिनाकी मिश्रा दिल्ली यूनिवर्सिटी के सैंट स्टीफन कॉलेज से पढ़ाई कर चुके हैं.

देश और धर्म के लिए इन्द्रेश कुमार का योगदान

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

हिमालय से विराट व्यक्तित्व वाले माननीय श्री मान डॉ इन्द्रेश कुमार जी के पूज्यनीय पिता जी उस जमाने में जनसंघ से विधायक थे और परिवार हरियाणा के कैथल शहर के सबसे धनाढ्य परिवारों में एक उसी परिवार से 10 साल की छोटी उम्र का एक बच्चा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में जाना शुरू करता है संघ शाखा में जाने के साथ–साथ पढाई में भी अव्वल ये बालक इंजिनीयरिंग करने गया तो वहां भी अपनी योग्यता के झंडे गाड़ दिए और जब वहां से निकला तो मैकेनिकल इंजिनियरिंग में अपने बैच का गोल्ड मेडलिस्ट था डिग्री मिलने के बाद अब मैकेनिकल इंजिनियरिंग के इस टॉपर विधार्थी के सामने दो रास्ते थे परिवार का जमा–जमाया व्यवसाय संभाले या फिर कहीं अच्छी सी नौकरी करे और उसके बाद गृहस्थी बसाये पर उसने ये रास्ता नहीं चुना उसने खुद को देश और धर्म की सेवा में झोंक दिया और 1970 में संघ के प्रचारक बन गये पिता ने खुशी में पूरे मोहल्ले में भोज किया कि उनके बेटे ने खुद के लिये जीने की बजाये देश के लिये जीने की राह चुनी है प्रचारक बने तो संघ ने दिल्ली में काम करने का दायित्व सौंपा तो 1970 से 1983 तक अलग–अलग दायित्वों में दिल्ली में काम करते रहे. अपने इन दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्हें आपातकाल के दंश से लेकर, सिख विरोधी अभियान तक के विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा पर उन्होंने इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिन्दू समाज का कुशल मार्गदर्शन किया, इसी दौरान दिल्ली में माँ झंडेवाली मंदिर की जमीन को भी असामाजिक तत्वों के कब्जे से मुक्त कराया असाधारण योग्यता को देखते हुए संघ ने इन्हें बिलकुल प्रतिकूल जगह भेजने का निर्णय लिया और उन्हें संघ कार्य को विस्तार देने के लिये कश्मीर और हिमाचल प्रदेश भेज दिया. नब्बे के शुरूआती दशक में जब पूरा कश्मीर हिन्दू विरोधी और राष्ट्र विरोधी आग में जल रहा था तब ये शख्स वहां के संतप्त हिन्दू समाज के बीच अविचलित हुए बिना काम कर रहा था. कश्मीर की एक इंच भूमि भी ऐसी नहीं है जो इस शख्स की हिन्दू समाज के लिये की गई मेहनत का इंकार कर सके. जिस समय देश के नेता और अधिकारी कश्मीर के हिन्दुओं को उनके हाल पर छोड़कर किसी चमत्कार की प्रतीक्षा कर रहे थे उस समय ये वहां के गाँव–गाँव में बिना किसी सुरक्षा के घूम रहे थे. कई बार आतंकियों ने अपहरण और हत्या की कोशिश की, धमकियाँ भेजी पर ये डिगे नहीं. 17 साल वहां काम करने के बाद संघ ने इनको अखिल भारतीय अधिकारी का दायित्व सौंपा, फिर तो इनके चमत्कारिक व्यक्तित्व के कई और आयाम देश के सामने आने लगे

आपको अगर सिर्फ सदस्य के नाते कुछ संगठनों से जुड़ने को कहा जाये तो आप कितने संगठन से जुड़ सकेंगे, दो, चार, दस, बीस यही न ? पर इस शख्स ने चालीस से अधिक संगठनों की स्थापना की. समाज, राष्ट्र और हिन्दू से जुड़ा कोई भी विषय ऐसा नहीं है जिसके लिये इस आदमी ने काम न किया हो. आप पर्यटन की बात करेंगें तो इन्होंनें पवित्र सिन्धु नदी से जुड़ी ष्सिन्धु दर्शन यात्राष शुरू की फिर पूर्वोत्तर के ओर पहुंचे और तवांग यात्रा का आयोजन किया. आज भी हर

वर्ष ये दोनों यात्रायें होतीं हैं. ये देश के पहले इंसान है जिन्होंनें धार्मिक यात्रा के साथ–साथ देश–प्रेम यात्रा का आयोजन शुरू किया. अपने एक संगठन ष्फिन्सष (फोरम फॉर इंटीग्रेटेड नेशनल सिक्यूरिटी) के बैनर तले ष्सरहद को प्रणामष नाम से एक यात्रा शुरू करवाई जिसमें लाखों युवक और युवतियों ने देश के सीमावर्ती क्षेत्रों की यात्रा की और सरहद तक पहुँचे. हर वर्ष दिसंबर के अंतिम सप्ताह में अंडमान में भी ऐसी ही यात्रा का आयोजन होता है जहाँ लोग सेलुलर जेल जाकर अपने महान बलिदानियों को नमन करतें हैं. सीमा की सुरक्षा केवल सरकार की नहीं बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है इसलिये इस शख्स ने ष्सीमा जागरण मंचष नाम से एक संगठन बनाया है जो भारत के सीमवर्ती इलाकों में भी सजग और मुस्तैद है. देश की आंतरिक सुरक्षा पर कोई आंच न आये और सुरक्षा एजेंसियों के साथ–साथ समाज भी सजग रहे इसके लिये फिर ष्फैन्सष (फोरम फॉर अवेयरनेस ऑन नेशनल सिक्यूरिटी) नाम से एक संगठन बनाया जिसके कार्यक्रमों में सरकार के बड़े–बड़े मंत्री और रक्षा विशेषज्ञ आते रहतें हैं.

जो सैनिक देश के लिये अपना सबकुछ न्योछावर कर देता है, सेवानिवृति के बाद भी वो बेहतर जीवन जिये और समाज के लिये प्रेरक बन कर काम करे इसलिए इन्होंने ष्पूर्व सैनिक परिषदष नाम से एक संगठन बनाया. पूंछ में जब जेहादी आँख दिखाते हुए हिन्दुओं से कह रहे थे कि निजामे–मुस्तफा में तेरा कोई स्थान नहीं तब इन्होंनें वहां ष्बूढ़ा अमरनाथष यात्रा की शुरुआत की और जिहादियों के मंसूबे को कुचल दिया, फिर इसके बाद हिमाचल प्रदेश में भी ष्बाबा बालकनाथ दियोट सिद्ध हिमालयी एकताष नाम से ऐसी ही एक यात्रा प्रारंभ करवाई. तिब्बत चीन के आधिपत्य से मुक्त हो इसके लिये भी उनका प्रयास चला और ५ मई १९९९ को उन्होंने ष्भारत तिब्बत सहयोग मंचष नाम से एक संगठन बनाया. कैलाश मानसरोवर चीन के कब्जे से मुक्त हो इसके लिये १९९९ में लेह में ष्सिन्धु उत्सवष की शुरुआत की जिसके उदघाटन कार्यक्रम में आडवानी जी जैसे बड़े दिग्गज भी थे. हिमालय प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित हो इसके लिये ष्हिमालय परिवारष नाम से एक संगठन बनाया. ये संगठन वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के कामों में बड़ा सक्रिय है. माँ गंगा फिर से कल–कल करती हुई बहे इसके लिये भी उन्होंने काम किया, आज गंगा–सफाई अभियान से जुड़े किसी व्यक्ति से इनका नाम पूछिए देखिये वो कितने गर्व से इनका नाम लेता है. पूर्वोत्तर में पर्यटन का विस्तार हो और चीन की गिद्ध दृष्टि से देश अवगत हो इसके लिये पूर्वोत्तर में तवांग यात्रा के साथ–साथ परशुराम कुंड यात्रा की भी शुरुआत की. देश का मुस्लिम समाज भी राष्ट्र की मुख्यधारा में आये और विवादित मसलों पर उनके साथ संवाद हो इसके लिये 2002 में ष्मुस्लिम राष्ट्रीय मंचष की स्थापना की, इसी तरह ईसाई समाज से भी संवाद हो सके इसके लिये ष्राष्ट्रीय ईसाई मंचष बनाया. गऊ रक्षा का विषय इनके दिल के सबसे करीब है, इनकी कोशिशों से लाखों–लाख मुसलमानों ने गो–हत्या रोकने के लिये हस्ताक्षर अभियान चलाया और मुस्लिम समाज से करीब १० लाख हस्ताक्षर करवाकर राष्ट्रपति को सौंपा.

नेपाल चीन के आगोश में न चला जाये इसके लिये २००६ में ष्नेपाली संस्कृति परिषदष नाम से एक संगठन बनाया, फिर बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू दमन के खिलाफ वहां के बुद्धिजीवी आगे आयें इसके लिये उन्होंने ष्भारत बांग्लादेश मैत्री परिषद् नाम से एक संगठन बनाया. फिर 2006 में बौद्ध और अनुसूचित नवबौद्ध समाज से संवाद के लिये ष्धर्म–संस्कृति संगमष नाम से एक संगठन बनाया जिसके कार्यक्रमों के बारे में मैंने कई बार लिखा है.

ये तो मैंने बस कुछ संगठनों के नाम लिखे हैं, विस्तार भय से इनके द्वारा स्थापित सारे संगठनों की चर्चा नहीं कर पाया और ऐसा भी नहीं है कि इनके इतने सारे संगठन सिर्फ नाम के हैं, इनमें से हरेक संगठन जीवंत हैं, इन संगठनों के जनक और मार्गदर्शक किसी महामानव की तरह इन सारे संगठनों के कार्यक्रमों में लगभग रोज ही आपको दिखेंगे. जो उनको करीब से जानतें हैं उनके लिये इनकी दिनचर्या किसी चमत्कार से कम नहीं है. सुबह गुवाहाटी से कार्यक्रम निपटा कर दिल्ली, फिर दिल्ली में कार्यक्रम संपन्न कर हैदराबाद और फिर ऐसा ही क्रम रोज का होता है. इन्होंनें पूरे भारत के न जाने कितने चक्कर लगा लिये होंगें. रोज़ हजारों लोग मिलतें हैं पर जिससे एक बार मिल लिया उसका नाम उन्हें याद रह जाता है और उनके जानने वाले उनके नाम के आगे स्वतः आदरणीय या माननीय शब्द जोड़ लेतें हैं.

ऊपर जिनका उल्लेख हो रहा है वो हैं संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य और संघ के वरिष्ठ प्रचारक ष्इन्द्रेश कुमार कभी असम के बदरुद्दीन अजमल, यू० पी० के हाजी यकूब कुरैशी जैसे कट्टरपंथी नेताओं का अनुभव भी सुनियेगा जो इन्द्रेश जी से मुलाक़ात के दौरान उन्हें हुआ था. एक कार्यक्रम में इन्द्रेश कुमार और दलाई लामा दोनों को आना था. परम पावन दलाई लामा पहुँच गये पर ट्रेन देर होने के चलते इन्द्रेश जी समय पर नहीं पहुँच पाये तो दलाई लामा से अनुरोध किया गया कि आप कार्यक्रम शुरु करिए, परम पावन दलाई लामा जी ने कहा कि जब तक इन्द्रेश जी नहीं आते मैं शुरु नहीं करूँगा. हीरे की परख हीरे को होती है, जाहिल और मतिमंद लोग उसे कभी नहीं परख सकते पर किसी बड़े को गाली देकर खुद को ऊँचा उठता हुआ जो महसूस करे उसकी बात और है. हो सकता है कि निरंतर प्रवासी इन्द्रेश कुमार किसी दिन आपके शहर में भी हो इसलिये कभी अवसर मिले तो इन्द्रेश जी के किसी कार्यक्रम में जाइये, अभी के भारत सरकार के मंत्रियों को सुनिये कि उनकी भावना इन्द्रेश कुमार के लिये क्या है, मैंने ष्हिमालय सा विराट व्यक्तित्वष क्यों लिखा हैष उसका प्रमाण तुरंत मिल जायेगा.

एनडीए के 11 साल : सरकार गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित : पीएम मोदी

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपनी सरकार को गरीबों के कल्याण के लिए दयालु और समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि सरकार अपने 11 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू करने जा रही है।

मोदी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने पिछले एक दशक में कई लोगों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि एनडीए एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान के साथ जीने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि इसकी सभी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन में बदलाव लाया है।

उन्होंने कहा, पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है। डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के लिए जोर ने पारदर्शिता और अंतिम छोर तक लाभ की तेज़ डिलीवरी सुनिश्चित की है।

उन्होंने कहा कि इसी वजह से 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आ पाए हैं।

मोदी 9 जून को अपने लगातार तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा करने जा रहे हैं, जो कि सत्ता में उनके निर्बाध 11 वर्ष होंगे।

बुधवार को अपने मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने मंत्रालयों से उच्च लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए तेजी से काम करने को कहा था। उन्होंने अपने सहयोगियों से कहा था कि वे जनता तक पहुंचने के लिए सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को उजागर करें।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर यात्रा के लिए बहु–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस यात्रा के दौरान वह बहुप्रतीक्षित कश्मीर रेल लिंक का उद्घाटन करेंगे और कटरा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी का केंद्र शासित प्रदेश का यह पहला दौरा होगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर–श्रीनगर–बारामुल्ला रेलवे लिंक के पूरा होने पर वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने से पहले भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के प्रतीक चेनाब पुल और भारत के पहले केबल–स्टेड अंजी पुल का उद्घाटन करेंगे, जो घाटी को सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मोदी रियासी जिले में त्रिकूटा पहाड़ियों पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर कटरा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली हुई) और 943 पुल शामिल हैं। यह परियोजना कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक–आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री मोदी श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापस दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। वे निवासियों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य लोगों के लिए एक तेज़, आरामदायक और विश्वसनीय यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी कटरा में 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की आधारशिला भी रखेंगे। यह रियासी जिले का पहला मेडिकल कॉलेज होगा जो इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कुल 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना में से 209 किलोमीटर को चरणों में चालू किया गया था, जिसमें 118 किलोमीटर का काजीगुंड–बारामुल्ला खंड का पहला चरण अक्टूबर 2009 में चालू हुआ था, उसके बाद जून 2013 में 18 किलोमीटर बनिहाल–काजीगुंड।

रेलवे संपर्क से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, आतंकवाद का खात्मा होगा : भाजपा

जम्मू लद्दाख विज़न ब्यूरो

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के संपर्क और विकास परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी 6 जून को केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करेंगे और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जो कश्मीर को रेलवे के माध्यम से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ेगी।

त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व एमएलसी गिरधारी लाल रैना , पार्टी प्रवक्ता डॉ. अभिजीत के साथ जसरोटिया एवं मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने प्रधानमंत्री की यात्रा के महत्व को रेखांकित किया। जीएल रैना ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज, प्रतिष्ठित चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करेंगे, उसके बाद अंजी ब्रिज का दौरा करेंगे। फिर, वह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे । प्रधानमंत्री 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस– रियासी का पहला मेडिकल कॉलेज– है जिसे 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विक. सित किया जा रहा है । जीएल रैना ने कहा कि भाजपा सरकार रेलवे और सड़क नेटवर्क के माध्यम

से कनेक्टिविटी सहित विकासात्मक परियोजनाओं को बढ़ावा देकर भारत के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कट्टरपंथी वर्ग के कार्यकर्ताओं के नेटवर्क द्वारा प्रायोजित आतंकवादी गतिविधियों के कारण गंभीर झटका लगा है।

कश्मीर के लोगों को यह समझना होगा कि आतंकवाद और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते।

जो लोग पर्यटकों को सांस्कृतिक आक्रमणकारी के रूप में पेश करने की कोशिश करते हैं और जो लोग संख्या के बजाय गुणवत्ता वाले पर्यटकों की वकालत करते हैं, वे जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को नुकसान पहुंचाने के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। लोगों को ऐसे अवसरवादियों की निंदा करने के लिए खुलकर सामने आना होगा। रैना ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है (राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 7–8:)। यह योगदान पर्यटन से होने वाली प्रत्यक्ष आय से कहीं आगे तक फैला हुआ है, जिसमें होटल, परिवहन और स्थानीय व्यवसायों जैसे संबंधित उद्योगों से होने वाली आय भी शामिल है।

डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने भाजपा के परिवर्तनकारी 11 वर्षों की तुलना कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दशकों के निष्प्रभावी शासन से की। उन्होंने कहा कि बड़े सुधारात्मक कदमों के साथ, भारत ने बहुत कम समय में दुष्ट राष्ट्र पाकिस्तान के नापाक इरादों को बलपूर्वक कुचल दिया। आज, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम आतंकवादियों को दूर–दराज के ठिकानों में भी खोज निकालेंगे। हमने आतंकवाद से पर्यटन की ओर एक बड़ी छलांग लगाई है, जिसे बेहतर सड़क नेटवर्क से और बढ़ावा मिलेगा, जो लद्दाख में साल भर की कनेक्टिविटी से स्पष्ट है । पुलों, सुरंगों और सड़क चौड़ीकरण ने दूरदराज के क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ट्रेन कनेक्टिविटी को बहुत बढ़ाएगी, यात्रा की गति बढ़ाएगी और यात्रा की लागत कम करेगी, जिससे पर्यटन, व्यापार और व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने यह भी जोर दिया कि ट्रेन कनेक्टिविटी से सुरक्षा ग्रिड भी और मजबूत होगा। डॉ. प्रदीप महोत्रा ने चिनाब और अंजी नदियों की सराहना की उधमपुर – श्रीनगर– बारामुल्ला रेलवे लिंक परियोजना के तहत खाद पुल इंजीनियरिंग के चमत्कार हैं ।

ष्ये पुल कश्मीर की यात्रा में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगे और रोजगार पैदा करेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये माल और कर्मियों की निर्बाध और रणनीतिक आवाजाही को सक्षम करके राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करते हैं, उन्होंने कहा।

स्वामित्व, प्रकाशक एवम् मुद्रक संजीव कुमार मनमोत्रा द्वारा जन संपर्क प्रिंटिंग प्रेस सिधरा, जम्मू से मुद्रित करवाकर तथा अटल विहार हेरिटेज स्कूल सैनिक कॉलोनी जम्मू से प्रकाशित किया गया संपादक : संजीव कुमार मनमोत्रा, मोबाइल न : 9419141189, ईमेल : editorjammuladakhvision1@gmail.com